वर्ष-08 | अंक-263 | पृष्ठ 08 | मूल्य 02/-

दैनिक
कालप्रिया
सच वही जो दिखे...

RNI-MPHIN/2018/75526

भोपाल, शनिवार
27
जून 2026

Email.kalpriyanews72@gmail.com

ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष-13, विक्रम संवत् 2083

पेज-6

बालाघाट में बिजली गिरी, 4 लोगों की मौत

देवास में गैलरी गिरने से 2 महिलाओं ने तोड़ा दम; सतना में 17 बकरियों की गई जान

भोपाल। मध्य प्रदेश के बालाघाट के बैहर तहसील के बिरवा ग्राम पंचायत में बिजली गिरने से 2 बच्चों सहित 4 लोगों की मौत हो गई,

जबकि 8 लोग झुलस गए। मृतकों की पहचान लल्की मेरावी, झामसिंह ताराम (35) और सतीश वलके के रूप में हुई है।वहीं, देवास के खटांबा गांव में सूरज की पूजा के दौरान आंधी-बारिश से गैलरी गिर गई। हादसे में 2 महिलाओं की मौत हो गई, जबकि एक बच्ची समेत 3 लोग घायल हो गए। मृतकों की पहचान लक्ष्मीबाई और भगवंताबाई के रूप में हुई है। इधर, सतना जिले के बरौंधा क्षेत्र में बिजली गिरने से 17 बकरियों और 2 भैंसों की मौत हो गई। पड़ो, वीरमपोखरी, गोडहा और साडा गांव में बिजली गिरने की घटनाएं हुईं। पड़ो गांव में महुआ के पेड़ के नीचे खड़ी चार बकरियां बिजली की चपेट में आ गईं। वहीं, दतिया, इंदौर, राजगढ़, शिवपुरी, मंडला, रीवा, सागर, बालाघाट, खंडवा, शाजापुर, आगर-मालवा, मंदसौर समेत कई जिलों में आंधी-बारिश का दौर जारी रहा। आंधी-बारिश की वजह से दिन के तापमान में खासी गिरावट हुई है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी: ट्रस्ट महासचिव चंपत राय का इस्तीफा

ट्रस्टी अनिल मिश्रा की छुट्टी; चंपत के ड्राइवर टिन्नू समेत 8 गिरफ्तार

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉक्टर अनिल मिश्रा ने इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों के मुताबिक, मंदिर निर्माण प्रभारी गोपाल राव को भी मंदिर की व्यवस्था से बाहर कर दिया गया है।चंपत के पास पूरे मंदिर की जिम्मेदारी थी। राय के बाद ट्रस्टी अनिल और गोपाल राव की मंदिर व्यवस्था में बड़ी भूमिका थी। एक हफ्ते पहले सीएम योगी अयोध्या दौरे पर गए थे। उस वक्त चंपत को उनके दौरे से दूर रखा गया था, तभी से यह सुगबुगाहट थी कि उन्हें हटाया जा सकता है। सूत्रों के मुताबिक, अब ट्रस्ट का पुनर्गठन किया जाएगा। चढ़ावा चोरी मामले में गुरुवार देर शाम ट्रस्ट के सदस्य कृष्णा मोहन की शिकायत पर पहली एफआईआर दर्ज कराई गई थी। इसमें चंपत राय, डॉ. अनिल मिश्रा समेत अन्य बड़े पदाधिकारियों के नाम नहीं हैं। इसके बाद गुरुवार देर रात रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू समेत 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का पुनर्गठन किया जाएगा

तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का पुनर्गठन किया जाएगा। ट्रस्ट में एक सेवानिवृत्त आईएएस या सेवानिवृत्त न्यायाधीश को बतौर सीईओ नियुक्त किया जा सकता है। चंपत राय और अनिल मिश्रा के इस्तीफे के बाद ट्रस्ट के पुनर्गठन की कवायद शुरू हो गई है। ट्रस्ट के पुनर्गठन और उसमें नए ट्रस्टी की नियुक्ति का निर्णय पीएम नरेंद्र मोदी, संघ प्रमुख मोहनराव भागवत और सीएम योगी आदित्यनाथ की सहमति से ही होगा।

कोर्ट में पेशी के बाद जेल भेजे गए आरोपी

रामनगरी अयोध्या में राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण में गिरफ्तार सभी आठ आरोपियों को शुक्रवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जिला एवं सत्र न्यायालय फैजाबाद में पेश किया गया। सुनवाई के बाद सभी आरोपियों को 29 जून तक के लिए न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। आरोपियों को एसओजी प्रभारी अपनी टीम के साथ न्यायालय लेकर पहुंचे।

सोमवार को फिर कोर्ट में किया जाएगा पेश

सीजेएम कोर्ट में अभियोजन अधिकारी केसी वर्मा ने बताया कि आठ आरोपियों को गिरफ़्तार किया गया है। उन्हें सोमवार तक के लिए रिमांड पर भेजा गया है। सोमवार को फिर से कोर्ट में पेश किया जाएगा। इनके पास से कुल 79 लाख 85 हजार 493 रुपये बरामद किए गए हैं। सुभाष के पास से पैसे नहीं मिले हैं। वह साज़िश में शामिल था। अन्य आरोपियों से अलग-अलग रकम बरामद की गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रादेशिक लोकतंत्र सेनानी सम्मेलन में की सहभागिता

सशक्त लोकतंत्र ही हमारी पहचान

हम लोकतंत्र सेनानियों का ऋण कभी नहीं चुका पाएंगे:मुख्यमंत्री

- भारत की एकता, विविधता, अखंडता और अक्षुण्णता इन्हीं राष्ट्रभक्तों की देन
- स्पेशल ट्रेन से लोकतंत्र सेनानियों को तीर्थ दर्शन कराएगी सरकार
- सार्वजनिक भवनों, पार्क एवं रोड के नाम भी इनके नाम पर रखे जाएंगे
- सभी लोकतंत्र सेनानियों को दिए जाएंगे ताम्रपत्र, सम्मान निधि वाली बैंक या शाखा बदलने की सुविधा भी मिलेगी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राष्ट्र हित से बढ़कर कुछ भी नहीं है। राष्ट्र हित में ही सबका हित निहित है। सशक्त लोकतंत्र ही भारत राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत है,लोकतंत्र सेनानियों ने देश में लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान की रक्षा के लिए अपना खून-पसीना बहाया, अमानवीय अत्याचार सहे और अनेक लोगों ने अपने प्राणों की आहुति तक दे दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा हम सभी भारतवासी इन लोकतंत्र सेनानियों का ऋ्रण कभी नहीं चुका पाएंगे। आज देश की एकता, विविधता, अखंडता और अक्षुण्णता इन्हीं साहसी, समर्पित एवं राष्टनिष्ठ कर्मवीरों की ही देन है।

लोकतंत्र सेनानियों के हित में की घोषणाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लोकतंत्र सेनानियों के सम्मान में घोषणा करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना में लोकतंत्र सेनानियों के लिए स्पेशल ट्रेन की व्यवस्था कर उन्हें तीर्थ दर्शन कराया जायेगा। दिवंगत लोकतंत्र सेनानियों के नाम पर शिलालेख लिखवाये जायेंगे एवं उनके गांव, कस्बे, नगर या निवास क्षेत्र के समीप मौजूद सार्वजनिक भवनों, मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घोषणा की कि लोकतंत्र सेनानियों के इलाज का सारा खर्चा अब सरकार उठाएगी।

आजादी के आंदोलन की तरह था आपातकाल का संघर्ष

लोकतंत्र सेनानी संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद श्री कैलाश सोनी ने कहा कि आज आपातकाल के 51 वर्ष पूर्ण हो गये हैं। लोकतंत्र सेनानी जब मिलते हैं तो ऊर्जा का संचार होता है। एक राष्ट्रीय राजनैतिक शख्सियत ने अपनी जिद के लिए लोकतंत्र को खत्म कर उनके फैसले के खिलाफ आवाज बुलंद करने वाले नागरिकों को जेलों में डाला। तत्कालीन समय में 25 जून की रात हुए काले कारनामों को देशवासियों को स्मरण कराने के लिए संविधान हत्या दिवस या काला दिवस मनाने की शुरुआत की गई।

ओवरलोड वाहन घर में घुसा, 3 की मौत

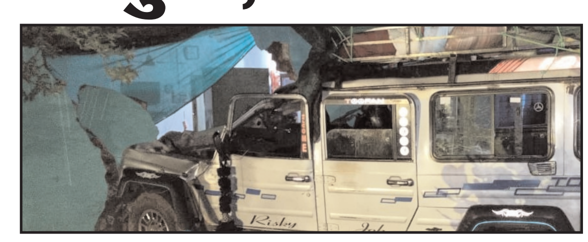

सिवनी। सिवनी जिले में जबलपुर-नागपुर राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर शुक्रवार तड़के करीब 4:30 बजे एक सड़क हादसा हो गया। कुरई थाना क्षेत्र के पचधार हाईवे के पास मजदूरों को केरल ले जा रहा एक ओवरलोड वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने मकान में जा घुसा। इस दुर्घटना में एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई 4 लोग घायल हो गए इलाज के दौरान कई दो और मजूदरों की मौत हो गई।

रोजगार के लिए केरल जा रहे थे 29 लोग

जानकारी के अनुसार मंडला और डिंडोरी जिलों से मजदूर एक 'तूफान' वाहन में सवार होकर रोजगार के लिए केरल जा रहे थे। वाहन में क्षमता से अधिक कुल 29 लोग मौजूद थे, जिनमें 12 पुरुष, 12 महिलाएं और 5 बच्चे शामिल थे।

नींद की झपकी से नियंत्रण खोने की आशंका

प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि चालक को नींद की झपकी आने से वाहन का नियंत्रण बिगड़ गया। वाहन दूसरी लेन में जाकर सीधे सड़क किनारे बने मकान में घुस गया, जिससे दीवार क्षतिग्रस्त हो गई।

ऑपरेशन सिंदूर: बलिदान हुए थे छह सपूत

सरकार ने जारी किए नाम, इनमें वायुसेना का एक और थल सेना के पांच जवान

नई दिल्ली। मई 2025 में आतंकवादी ढांचे को ध्वस्त करने के लिए भारत द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सरकार ने बड़ा और अहम खुलासा किया है। केंद्र सरकार ने आधिकारिक तौर पर उन छह भारतीय सैन्य कर्मियों के नाम सार्वजनिक किए हैं, जिन्होंने इस अभियान के दौरान देश की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया। राष्ट्रीय युद्ध स्मारक की रोल ऑफ ऑनर सूची में इन वीर जवानों के नाम शामिल किए गए हैं। इसे ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हुई शहादतों की पहली औपचारिक सार्वजनिक स्वीकृति माना जा रहा है। ऑपरेशन सिंदूर मई 2025 में भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा चलाया गया एक सीमापार सैन्य अभियान था। इस अभियान का उद्देश्य पाकिस्तान और पाकिस्तान कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में मौजूद आतंकवादी ढांचे को निशाना बनाना और

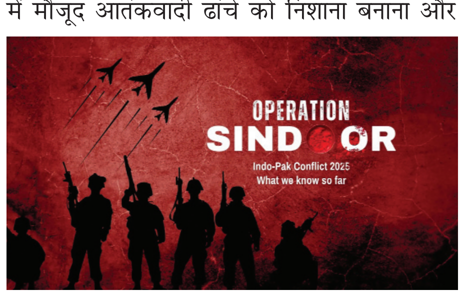

उन्हें नष्ट करना था। इस मिशन के दौरान भारतीय सेना और वायुसेना ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मोहर्रम जुलूस में बड़ा हादसा

रतलाम में हाईटेंशन लाइन से ताजिया टकराया, दो की मौत, 15 झुलस गए

रतलाम, ब्यूरो

रतलाम के पिपलौदा थाना क्षेत्र के ग्राम हतनारा में गुरुवार रात उस समय बड़ा हादसा हो गया, जब मोहर्रम पर्व के तहत निकाले जा रहे ताजिए में करंट फैल गया। ताजिए में करंट फैलने से दो लोगों की मौत हो गई और 15 लोग झुलस गए। इस दौरान कई लोगों के घायल भी हुए हैं। घायलों व झुलसे हुए लोगों को रतलाम मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बीती रात करीब साढ़े दस बजे ग्राम हतनारा में ताजियों का चल समारोह निकाला जा रहा था।

कुछ लोग ताजिया उठाकर चल रहे थे। वहीं, अनेक लोग ताजिए के आसपास चल रहे थे। अचानक ताजिया एक स्थान पर 15 फीट से अधिक ऊंचाई पर लगी हाईटेंशन बिजली लाइन के तार से टच हो गया। हाईटेंशन लाइन के संपर्क में आते ही ताजिए में करंट फैल गया और करंट की चपेट में आने से करीब 15 लोग झुलसकर नीचे गिर गए। करंट लगने से कुछ लोग झुलस गए, तो कुछ लोग एक-दूसरे पर गिरने से घायल हो गए। लोगों ने घायलों को उठाया और निजी वाहनों से रतलाम जिला अस्पताल व मेडिकल कॉलेज पहुंचाया।

पुलिस फोर्स ने रोका यातायात

निहंगों की एंट्री से देहरादून में तनाव... मची खलबली, छावनी बना प्रेमनगर

देहरादून, एजेंसी

अलर्ट... निहंग देहरादून आ रहे हैं। बृहस्पतिवार की रात विकासनगर से कुछ निहंग सिख देहरादून के निकल पड़े तो खलबली मच गई। इनपुट मिला तो प्रेमनगर छावनी में बदल गया। देखते ही देखते बाजार बंद होने लगे। बड़ी संख्या में पुलिस और पीएसी प्रेमनगर में जमा हो गई। तुरंत यातायात भी रोक दिया गया। जिससे सड़कें जाम हो गई। रात करीब 12:30 बजे तक प्रेमनगर में यही स्थिति रही। प्रेमनगर की सड़क पर पुलिस की गाड़ियो का

सायरन गूंजने लगा। तुरंत ही प्रेमनगर में बैरिकेडिंग कर दी गई और छावनी में बदल दिया गया। चप्पे चप्पे पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया। प्रेमनगर चौक पर किसी भी वाहन को न तो देहरादून आने दिया गया न ही विकासनगर की ओर जाने दिया गया। देखते ही देखते सड़कें जाम हो गई। मौके पर अफ़रा-तफरी का माहौल बन गया। हर किसी की निगाह प्रेमनगर से विकासनगर की ओर जाने वाले मार्ग पर डटी रही। पुलिस की वैन, दमकल के वाहनो समेत सुरक्षा के लिहाज से जिलेभर की फोर्स को बुलाया गया।

नई शुरुआत: बॉयफ्रेंड और रियलिटी शो स्टार मोंटेल मैकेंजी ने समुद्र किनारे घुटनों के बल बैठकर किया प्रपोज

दुनिया की सबसे ग्लैमरस फुटबॉलर अलीशा लेहमन ने की सगाई

नई दिल्ली (एजेंसी)

दुनिया की सबसे चर्चित महिला फुटबॉलरों में शुमार अलीशा लेहमन ने अपनी जिंदगी की नई पारी शुरू करने का ऐलान कर दिया है। स्विट्जरलैंड की स्टार फुटबॉलर ने सोशल मीडिया पर सगाई की तस्वीरें साझा करते हुए बताया कि उन्होंने अपने बॉयफ्रेंड और रियलिटी शो स्टार मोंटेल मैकेंजी का शादी का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है।

समुद्र किनारे सूर्यास्त के दौरान हुए रोमांटिक प्रपोजल की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। 27 वर्षीय अलीशा द्वारा साझा की गई तस्वीरों में मोंटेल मैकेंजी घुटनों के बल बैठकर उन्हें अंगूठी पहनाते नजर आ रहे हैं। इस खास पल में भावुक दिखीं अलीशा ने पोस्ट के साथ लिखा, हमेशा और हमेशा के लिए। काले

रंग की स्टाइलिश ड्रेस में नजर आ रहीं अलीशा ने अंगूठी स्वीकार करने के बाद मोंटेल को गले लगाया और दोनों ने कैमरे के सामने अपनी खुशी जाहिर की।

बॉलर लीग के दौरान हुई थी दोनों की मुलाकात

अलीशा और मोंटेल ने इसी साल अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों की मुलाकात बॉलर लीग के दौरान हुई थी, जहां अलीशा टीम मैनेजर थीं और मोंटेल खिलाड़ी के रूप में हिस्सा ले रहे थे। मुलाकात के बाद दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और कुछ ही महीनों में रिश्ते ने नया मुकाम हासिल कर लिया। कुछ समय पहले दोनों को एक ज्वेलरी स्टोर में साथ देखा गया था, जिसके बाद सगाई की अटकलें तेज हो गई थीं। हालांकि उस समय दोनों ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी थी। अब आधिकारिक घोषणा के साथ इन चर्चाओं पर विराम लग गया है।

केतन के पिता बोले-

सिया को हेयर विग की जानकारी थी

पुलिस पूछताछ में सिया बोली- केतन को शादी के लिए मना किया लेकिन वह नहीं माना

पुणे। पुणे में केतन अग्रवाल मर्डर केस में नया खुलासा हुआ है। केतन के हेयर विग लगाने को हत्या के पीछे की वजह बताने पर पिता विशाल अग्रवाल ने कहा- सिया और उसके परिवार को पता था कि केतन सिर पर विग का एक पैच लगाता था। उसे पसंद नहीं था तो वह मना कर सकती थी लेकिया क्या यह किसी को मारने की वजह हो सकती है? पुलिस सूत्रों के मुताबिक, सिया इस शादी से खुश नहीं थी। केतन के सिर पर विग होने और बात

करते समय हकलाने की वजह से सिया के मन में उसके प्रति नफरत बैठ चुकी थी।

संक्षिप्त समाचार

जूडो खेल अकादमी हेतु प्रतिभा चयन 29 व 30 को

सतना। म.प्र. राज्य खेल अकादमियों के खिलाड़ियों हेतु प्रतिभा चयन वर्ष 2026-27 कार्यक्रम के अंतर्गत जूडो खेल अकादमी में प्रवेश के लिए चयन प्रक्रिया आयोजित की जा रही है। जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी सतना/मैहर रितिका दुबे ने जानकारी देते हुए बताया कि यह चयन कार्यक्रम 29 एवं 30 जून को सायं 4 बजे से स्व. दादा सुखेंद्र सिंह स्टेडियम जवाहर नगर सतना में आयोजित होगा। सतना एवं मैहर जिले के सभी इच्छुक एवं प्रतिभाशाली खिलाडी इस प्रतिभा चयन कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करें।

मोहर्रम पर निकला ताजियों का जुलूस

सतना। शहादत का पर्व मुहर्रम शुक्रवार को शहरी समेत ग्रामीण अंचलों में परंपरागत तरीके से मनाया जाएगा। पर्व को लेकर सारी तैयारी पूर्ण कर ली गई हैं। इस संबंध में जिला मरकजी सीरत कमेटी के अध्यक्ष जिया बेग ने बताया कि शुक्रवार को शाम 7 बजे शहर की सारी ताजिया बशीरन मोहल्ले में एकत्रित होंगी। जहाँ से भव्य जुलूस लालता चौक, गांधी चौक, शास्त्री चौक, फूलचंद चौक, हनुमान चौक, पुराना नगर निगम चौक, हॉस्पिटल चौक, पन्नी लाल चौक, बिहारी चौक, सिटी कोतवाली होते हुए रामना टोला स्थित करबला शरीफ पहुंचेगा। जहां फातिया का बाद सारी ताजिया, आलम, झूले, सवारियां टंडी होंगी। पर्व के मौके पर शाम 5 बशीरन मोहल्ले से शेर की सवारी निकलेगी, जो कि मोहल्ले में भ्रमण करने के पश्चात 6.30 बजे इमामबाड़े में टंडी होगी। मोहर्रम पर्व के मौके पर शुक्रवार को मुस्लिम समुदाय के लोग रोजा रखकर इबादत करेंगे। इस मौके पर बसीरन मोहल्ले में वरिष्ठ समाजसेवी हाजी सिकंदर बेग और जिया बेग द्वारा महिलाओं के रोजा इफ्तार का आयोजन शाम 7 बजे किया गया।

समग्र शिक्षा अभियान का आदेश, 7 दिन में जॉइनिंग, 3 साल तक संभालेंगी बालिकाओं की सुरक्षा, पढ़ाई और व्यवस्था

छात्रावासों की कमान अब शिक्षिकाओं के हाथ, 6 को वार्डन का अतिरिक्त जिम्मा

नगर संवाददाता ■ सतना

जिले के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों और नेताजी सुभाषचंद्र बोस बालिका छात्रावासों में वार्डन की कमी दूर करने के लिए जिला शिक्षा केंद्र ने छह शिक्षिकाओं को अतिरिक्त प्रभार सौंप दिया है। नई व्यवस्था के तहत शिक्षिकाएं नियमित स्कूल की जिम्मेदारी के साथ छात्रावासों का संचालन भी संभालेंगी। आदेश के अनुसार सभी को सात दिन के भीतर कार्यभार ग्रहण करना होगा। जिला शिक्षा केंद्र द्वारा जारी आदेश में बताया गया है कि यह नियुक्तियां जिला स्तरीय नियुक्ति समिति के निर्णय के आधार पर की गई हैं। अतिरिक्त प्रभार तीन वर्ष के लिए रहेगा। इस दौरान शिक्षिकाओं को छात्रावास में रहने, बालिकाओं के पठन-पाठन, स्वास्थ्य, सुरक्षा और अनुशासन की जिम्मेदारी निभानी होगी।

काम संतोषजनक नहीं हुआ तो हटाया जाएगा प्रभार

आदेश में स्पष्ट किया गया है कि शिक्षिकाओं का वेतन उनके मूल विद्यालय से ही मिलेगा, जबकि वार्डन के अतिरिक्त प्रभार के लिए निर्धारित मानदेय अलग से दिया जाएगा। यदि किसी वार्डन का कार्य संतोषजनक नहीं पाया गया तो बिना पूर्व सूचना के अतिरिक्त प्रभार वापस लिया जा सकेगा।

इन शिक्षिकाओं को मिला अतिरिक्त प्रभार

सुविता त्रिपाठी– कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, सभापुर (मझगवां)
सुनीता सोनी– नेताजी सुभाषचंद्र बोस बालिका छात्रावास, जसो (नागौद)
रेखा द्विवेदी– नेताजी सुभाषचंद्र बोस बालिका छात्रावास, सज्जनपुर (रामपुर बघेलान)
नीलू श्रीवास्तव– कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, श्यामनगर (उचेहरा)
गीता भदौरिया– नेताजी सुभाषचंद्र बोस बालिका छात्रावास, उचेहरा
भाग्यश्री शुक्ला– नेताजी सुभाषचंद्र बोस बालिका छात्रावास, रजौला चित्रकूट (मझगवां)

[आयोजन] विन्ध्य चेम्बर का 61वां द्विवार्षिक अधिवेशन व आमसभा आज

वरिष्ठ सदस्यों का होगा सम्मान, आमसभा के बाद शुरू होगी चुनाव प्रक्रिया

नगर संवाददाता ■ सतना

विन्ध्य चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज, सतना का 61वां द्विवार्षिक अधिवेशन एवं आमसभा शुक्रवार, 26 जून को प्रातः 10 बजे स्थानीय ओम रिसोर्ट, रीवा रोड में आयोजित होगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद गणेश सिंह, अध्यक्षता महापौर योगेश ताम्रकार करेंगे, जबकि विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। चेम्बर के महामंत्री संदीप कुमार जैन एवं मंत्री हरिओम गुप्ता ने बताया कि अधिवेशन परम्परानुसार दो सत्रों में सम्पन्न होगा। प्रथम सत्र में अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन, प्रगति पत्रिका का विमोचन तथा वरिष्ठ सदस्यों का सम्मान किया जाएगा। साथ ही नव-सदस्यों को सदस्यता प्रमाण-पत्र भी वितरित किए जाएंगे। द्वितीय सत्र में आमसभा आयोजित होगी, जिसमें अंकेक्षित आय-व्यय एवं अनुमानित आय-व्यय का अनुमोदन किया जाएगा। इसके उपरांत मुख्य चुनाव अधिकारी एडवोकेट के.पी. शर्मा द्वारा चुनाव प्रक्रिया प्रारंभ कराई जाएगी। यदि नामांकन के बाद चुनाव निर्विरोध नहीं होता है, तो रविवार, 28 जून को चेम्बर भवन में प्रातः 8 बजे से शाम 5 बजे तक तीन मतदान केंद्रों पर मतदान कराया जाएगा। मतदान के लिए मतदाता सूची के क्रमांक 1 से 1000 (एम-126 तक) के सदस्य न्यू ब्लॉक के ऊपरी हॉल में तथा 1001 से 1662 (वाई-17 तक) के सदस्य चेम्बर सभागार में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। मतगणना अगले दिन सोमवार शाम 4 बजे से प्रारंभ होगी।

मतदान दिवस पर पार्किंग की विशेष व्यवस्था भी की गई है। ट्रांसपोर्ट नगर, सिंधी कैम्प, बिरला रोड एवं रीवा रोड क्षेत्र से आने वाले सदस्यों के लिए ईश्वर पटिया के सामने स्थित सर्किट हाउस तथा बाजार क्षेत्र, बिहारी चौक, हनुमान चौक, जयस्तंभ चौक एवं स्टेशन रोड से आने वाले सदस्यों के लिए वीनस ट्रेजर एवं मधुवन मैरिज गार्डेन की पार्किंग का उपयोग करने का अनुरोध किया गया है। चेम्बर अध्यक्ष सतीश सुखेजा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोहर वाधवानी, कनिष्ठ उपाध्यक्ष दीपक अग्रवाल, महामंत्री संदीप कुमार जैन, मंत्री हरिओम गुप्ता सहित समस्त पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने सभी सम्मानित सदस्यों से अधिवेशन एवं आमसभा में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

चेम्बर ने गिनाई उपलब्धियां

- चेम्बर के प्रयास से मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विन्ध्य व्यापार मेला हेतु 8 एकड़ जमीन देने की घोषणा की।
- चेम्बर की मांग पर म.प्र. शासन द्वारा व्यापार कल्याण बोर्ड का गठन किया गया।
- छः नई संस्थाये विन्ध्य चेम्बर से जुड़ी।
- आर्थिक स्थिति की बात करे तो 60 लाख रूपये की एफ.डी. हम लोगो को मिली थी जिसे बढ़ाकर 1 करोड़ 50 लाख की एफ.डी.बनायी गई।
- चेम्बर द्वारा शहर को हरा-भरा बनाने हेतु पौधरोपण किया गया।
- चेम्बर द्वारा आयोजित विन्ध्य व्यापार मेला 2023 एवं 2025 का सफलतम आयोजन किया गया जिसमे प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सम्मलित हुये।
- लापता व्यवसाई प्रकाश लालवानी की खोज हेतु चेम्बर द्वारा क्रमिक अनशन प्रदर्शन किया गया एवं अपराधी को आजीवन कारावास कराया एवं पीड़ित परिवार को 4 लाख रूपये की राशि शासन द्वारा दिलवाया गया।
- चेम्बर द्वारा जी.एस.टी. बिजली नगर निगम से जुड़े लगभग 250 मामलो मे मध्यस्ता कर राहत दिलाई।
- चेम्बर द्वारा कड़कड़ाती ठंड मे जरूरतमंद लोगो को कंबल वितरण का कार्य किया गया।

मुख्यमंत्री की लोकप्रियता से कांग्रेस बौखलायी : भगवती पाण्डेय

सतना। कांग्रेस द्वारा मुख्यमंत्री मोहन यादव के भूमि खरीदी के सम्बन्ध मे लगाये गये आरोपो को पूरी तरह से झूठा अरै मनगढ़न्त बताते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष पं. भगवती प्रसाद पाण्डेय ने कहा कि लगातार हो रही हार एवं मुख्यमंत्री की बढ़ती लोकप्रियता से कांग्रेस नेताओ का मानसिक संतुलन पूरी तरह से बिगड़ चुका है। यही वजह है कि अब मुख्यमंत्री पर व्यक्तिगत अरोप लगाने मे उतर आये है। श्री पाण्डेय ने जारी बयान मे कहा है कि वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव मे मुख्यमंत्री मोहन यादव ने चुनाव आयोग को दिये गये शपथ पत्र मे उनके पास जितनी जमीन होने का जिक्र किया गया था उसके बाद से आज तक उन्होने ऐसी कोई जमीन क्रय नही की जिस तरह के आरोप कांग्रेस नेता लगा रहे है। भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि उनकी पत्नी और बेटे की जमीन मे भी मुख्यमंत्री बनने के बाद कोई बदलाव नही हुआ। जिस सिद्धिविनायक कम्पनी का जिक्र कांग्रेस नेताओ द्वारा किया जा रहा है उसके डायरेक्टर पद से मुख्यमंत्री मोहन यादव वर्ष 2017 मे ही स्तीफा दे चुके है। भाजपा जिलाध्यक्ष भगवती प्रसाद पाण्डेय ने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी पर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष के इस कुत्सित प्रयास को जनता जान चुकी है।

भाजपा 6 जुलाई तक चलाएगी स्मरण पखवाड़ा

जिला प्रभारी व भाजपा जिलाध्यक्ष ने ली निगरानी समिति की बैठक

नगर संवाददाता ■ सतना

भाजपा की बैठक एवं प्रवास सम्बन्धी गठित निगरानी समिति की बैठक लेकर आगामी कार्यक्रमो के सम्बन्ध मे जिला संगठन प्रभारी जी.एस. ठाकुर ने आवश्यक दिशा निर्देश दिए। भाजपा जिलाध्यक्ष पं. भगवती प्रसाद पाण्डेय की अध्यक्षता मे पार्टी कार्यालय मे बैठक आयोजित हुई। जिसमें 23 जून से 06 जुलाई तक चलने वाले स्मरण पखवाड़ा, आपातकाल के काले अध्याय के दिवसो व बूथ समिति के सदस्यो का डिजिटल प्रशिक्षण अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। जिला टोली की बैठक को सम्बोधित करते हुए जिला प्रभारी जी.एस. ठाकुर ने कहा कि केन्द्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व द्वारा तय किये कार्यक्रमो बूथ स्तर तक आयोजित किये जाने के सम्बन्ध मे हर पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता को अपनी जिम्मेदारी का निर्वाहन करना चाहिए। भाजपा जिलाध्यक्ष पं. भगवती प्रसाद पाण्डेय ने अब तक हुए सभी कार्यक्रमो का जिक्र करते हुए कहा कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओ के मार्गदर्शन एवं पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओ के सहयोग से हर कार्यक्रम व्यवस्थित और सुचारु रुप से हुए है। उन्होने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि आने वाले सभी कार्यक्रम ऐतिहासिक और गरिमामयी पूर्ण होगे।

इनकी रही मौजूदगी

उक्त बैठक में ऋषभ सिंह, बालेन्द्र गौतम, श्रीकृष्ण द्विवेदी, प्रबल श्रीवास्तव, जयप्रताप गुप्ता, वसुन्धरा सिंह, हरीश अग्रवाल, चन्द्रभान कुशवाहा, अतुल शुक्ला, शिवांक त्रिपाठी, संजीव द्विवेदी, महेन्द्र तिवारी, शैलेन्द्र शर्मा, अजय द्विवेदी, आदित्य प्रताप सिंह, सुधीर आहूजा, कृष्णआनंद सिंह, सतेन्द्र पाण्डेय, सुनील दाहिया आदि मौजूद रहे।

---

25 जून 1975 को लोकतंत्र का काला अध्याय लिखा गया था : सांसद

नगर संवाददाता ■ सतना

आपातकाल दिवस पर एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद गणेश सिंह ने कहा कि आज ही के दिन सन् 1975 में श्रीमती इंदिरा गांधी ने भारत के लोकतंत्र का काला अध्याय लिखा था, आज के दिन को हमेशा लोकतंत्र के हत्या के रूप में तथा संविधान पर लगाए गए कलंक के रूप में याद किया जाता रहेगा, भारत के लोकतंत्र में संविधान सर्वोपरि है जो विश्व का सबसे श्रेष्ठ संविधान है और यह देश की जनता के लिए बनाया गया है किंतु श्रीमती इंदिरा गांधी जी ने जनादेश तथा उच्च न्यायालय के आदेश का उल्लंघन करते हुए सत्ता का दुरुपयोग करके देश में आपातकाल थोपने का काम किया था, राजनीति के जितने भी विपक्षी दल के नेता थे सबको रातों-रात जेल में डाल दिया गया, समाचार पत्रों की लेखनी बंद कर दी गई, जबरन नशाबंदी की गई तथा चारों तरफ अराजकता का माहौल बनाया गया, यह सिर्फ इसलिए की जनता ने मुझे भले ही हरा दिया हो लेकिन मैं देश के प्रधानमंत्री पद की कुर्सी नहीं छोडूंगी, आज उन्हीं कांग्रेस के कुछ नेता संविधान की किताब लिए घूम रहे हैं और जगह-जगह संविधान की दुहाई देते फिर रहे हैं जबकि इसी संविधान की मूल भावनाओं को इन्हीं के नेताओं ने कुचलने का काम किया था।

आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संविधान की मूल भावना को जिस तरह से आम जनमानस तक पहुंचाने का काम हुआ है एवं उनका हक और अधिकार बिना भेदभाव के दिया जा रहा है, देश में राष्ट्रीयता का भाव एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को मजबूत किया जा रहा है, संवैधानिक संस्थाएं पूर्णतः स्वतंत्र होकर काम कर रही हैं लोकतंत्र में जनता बिना किसी दबाव के अपना खुला मतदान कर रही है ऐसे माहौल में भी जनता को गुमराह करने के लिए तरह-तरह के आरोप कांग्रेस के नेता लगाते फिर रहे हैं जिसे देश की जनता ठीक तरह से समझ रही है, मैं आज निशाबंदियों को शत शत नमन करता हूं और उनके धैर्य और साहस की प्रशंसा भी करता हूं।

एकेएस के शोधकर्ताओं का शोध-पत्रिका में शोध प्रकाशित

नगर संवाददाता ■ सतना

नैक प्रत्यायित एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से मान्यता प्राप्त एकेएस विश्वविद्यालय, सतना के शोधकर्ताओं का शोधपत्र विश्वविख्यात शैक्षणिक प्रकाशन संस्था एमडीपीआई, स्विट्ज़रलैंड की प्रथम श्रेणी (क्यू-1) की स्कोपस-सूचीबद्ध अंतरराष्ट्रीय शोध-पत्रिका पर्यटन एवं आतिथ्य के खंड-7, अंक-6 (2026) में प्रकाशित हुआ है। 'क्या पर्यटक वास्तव में सतत विकास की अवधारणा को महत्व देते हैं? होटल चयन व्यवहार पर पर्यावरण-अनुकूल व्यवस्थाओं का प्रभाव' विषयक इस शोध में पर्यटन एवं आतिथ्य क्षेत्र में पर्यावरण-अनुकूल उपायों का पर्यटकों के होटल चयन पर प्रभाव का वैज्ञानिक एवं अनुभवजन्य विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। शोधपत्र के लेखक डॉ.चंदन सिंह, डॉ.ज़ाकिर होसेन शेख, डॉ. बिभू प्रसाद साहू, नितिन मिश्रा, आकाश गुप्ता, मोहित आनंद श्रीवास्तव तथा अंकित कुमार गर्ग हैं। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय की अनुसंधान गुणवत्ता, वैश्विक स्वीकार्यता एवं शैक्षणिक उत्कृष्टता का महत्वपूर्ण प्रमाण है।

प्रो-चांसलर इंजी.अनंत कुमार सोनी, कुलपति प्रो.बी.ए.चोपड़े तथा आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो.जी.सी.मिश्रा ने सभी शोधकर्ताओं को बधाई देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि विश्वविद्यालय भविष्य में भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट शोध उपलब्धियों से नई पहचान स्थापित करेगा।

मझगवां में जाम और बदहाल सड़क से परेशान कांग्रेसियों ने प्रशासन से मांगी अनुमति

नगर संवाददाता ■ सतना

नगर के भीतर से गुजरने वाली निर्माणाधीन सड़क के कारण आम नागरिकों, व्यापारियों और यात्रियों को हो रही परेशानियों को लेकर कांग्रेस नेताओं ने प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया है। अखिल भारतीय किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव एवं चित्रकूट विधानसभा के कांग्रेस नेता आशुतोष द्विवेदी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मझगवां के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर सड़क को जनसहयोग से चलायमान बनाने की अनुमति मांगी।

ज्ञापन में बताया गया कि मझगवां नगर के अंदर सड़क निर्माण का कार्य कृष्णा इंफ्रा कंपनी द्वारा कई महीनों से किया जा रहा है, लेकिन कार्य पूरा होने की कोई निश्चित समय-सीमा तय नहीं है। निर्माण कार्य के चलते बस स्टैंड क्षेत्र में हालात बेहद खराब हो गए हैं और दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है। प्रशासन द्वारा पहले अस्थायी बस स्टैंड संचालित करने के निर्देश दिए गए थे।

नशा मुक्ति जागरूकता : नुक्कड़ नाटक का मंचन

नगर संवाददाता ■ सतना

जिला प्रशासन एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में सेमरिया चौराहा में नशा मुक्ति जागरूकता अभियान के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस आयोजन में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने अपने सशक्त अभिनय एवं संवादों के माध्यम से समाज को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने का सराहनीय प्रयास किया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि उसके परिवार और पूरे समाज पर भी नकारात्मक प्रभाव डालता है। नशे के कारण पारिवारिक कलह, सामाजिक विघटन, सडक़ दुर्घटनाओं में वृद्धि तथा कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है, जिससे असमय मृत्यु तक हो सकती है। कार्यक्रम में स्वयंसेवकों ने उपस्थित नागरिकों को नशे से दूर रहने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और समाज को नशा मुक्त बनाने के लिए प्रेरित किया।

वर्षो से बंद नालियों को खुलवाकर निगम प्रशासन करवा रहा सफाई

■ फील्ड पर उतरे अफसर, अपने सामने करवा रहे सफाई

नगर संवाददाता ■ सतना

मानसून को देखते हुए निगम प्रशासन पहले से अपनी तैयारी में जुट हुआ है। महापौर योगेश ताम्रकार, निगमायुक्त शेर सिंह मीना के निर्देश पर स्वास्थ्य अधिकारी एपी सिंह, सहा. स्वास्थ्य अधिकारी मो. लतीफ के मार्गदर्शन में शहर की सफाई व्यवस्था दुरूस्त की जा रही है। गुरूवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सघन सफाई, नाला सफाई और फॉगिंग का कार्य किया गया। बताया गया कि वार्ड नं. 25 स्टेशन रोड में स्वच्छता निरीक्षक शिवदर्शन रवि और स्वच्छता पर्यवेक्षक भरत बाल्मिक की देखरेख में जेसीबी की मदद से बंद पड़ी नालियों को खुलवाकर सारा कचरा बाहर निकाला गया। सडक़ पर कचरा न फैले, इसका विशेष ध्यान रखते हुए कचरे को तत्काल उठवाकर कचरा डंपिंग पॉइंट भेजा गया। इसके अलावा वार्ड नं. 41 स्टेशन रोड सब्जी मंडी, वार्ड क्र.19 सिल्वर फैक्ट्री रोड, बीजेपी कार्यालय के सामने जल निकासी को सुचारू बनाने के लिए पोकलेन मशीन के माध्यम से बड़े नाले की गहरी सफाई का कार्य किया गया। वहीं वार्ड नं. 40 एवं 41 में मच्छरों एवं मौसमी कीड़े-मकोड़ों के प्रकोप से बचाने के लिए रात्रि के समय विशेष फॉगिंग अभियान चलाया गया। निगम प्रशासन ने शहरवासियों से अपील की है स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें और बीमारी से बचें।

[कथा] श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन जयघोषों से गूंजा रामना टोला

श्रीमद्भागवत कथा में मनाया गया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

नगर संवाददाता ■ सतना

शहर के रामना टोला में समाजसेवी विष्णु नेमा द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण के दिव्य जन्म प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन करते हुए कथा वाचक ओम महाराज ने उपस्थित श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। श्रीकृष्ण जन्म की अलौकिक लीला का वर्णन सुन श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे।

धार्मिक मान्यता के अनुसार श्रीमद्भागवत कथा में श्रीकृष्ण जन्म प्रसंग का विशेष महत्व होता है। इसी क्रम में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। पूरे पंडाल में 'जय श्रीकृष्ण ' के जयघोष गूंजते रहे। भजन-कीर्तन, झांकियों और भक्तिमय प्रस्तुतियों के माध्यम से नंदलाल के जन्म की खुशियां मनाई गईं, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

इस अवसर पर महापौर योगेश तामरकर, सुधाकर चतुर्वेदी, कमलाकर चतुर्वेदी, प्रभाकर चतुर्वेदी, राजाराम त्रिपाठी, दिलीप जायसवाल, हेमचंद जायसवाल, राजेश दुबे, सतना कमल नयन शुक्ला, अभय खरे, पियूष पटेल, रामप्रसाद पटेल, डॉ. नायक, अरविंद नेमा, मनीष नेमा, विष्णु तिवारी, प्रदीप यादव, गुरुदेव तिवारी, अमर आहुजा, रामचंद नाथानी, दीपक खिलवानी सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

आकार वेलफेयर सोसाइटी ने किया नाटक 'अपनी-अपनी दौलत' का सफल मंचन

सतना। आकार वेलफेयर सोसाइटी के तत्वावधान में विगत दिवस दयानंद विद्यालय में कमलेश्वर की प्रसिद्ध कहानी 'अपनी – अपनी दौलत' पर आधारित नाटक का मंचन किया गया। इस प्रयोगात्मक नाट्य प्रस्तुति ने कम संसाधनों के साथ भी दर्शकों को थिएटर के पूर्ण आनंद से भर दिया। नाटक का निर्देशन अमित कुमार शुक्ल ने किया। जबकि मुख्य भूमिका में अंकित कुशवाहा, शीतांशु पाल, देवांशू परिहार, शान्वी, क्षत्रजीत, अभिषेक तथा अंजली सिंह रहे। आकार वेलफेयर सोसाइटी की यह नवीनतम प्रस्तुति मंच और दर्शकों के बीच की दूरी को कम करते हुए, सीमित संसाधनों में भी प्रभावशाली अभिनय का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करती है। सोसाइटी के इस प्रयास का उद्देश्य है कि आर्थिक व तकनीकी संसाधनों की कमी को कला की शक्ति से पार किया जाए।

चेम्बर चुनाव : मनोहर डिगवानी के पैनल ने किया नगर भ्रमण

नगर संवाददाता ■ सतना

विन्ध्य चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के चुनाव के मद्देनज़र मनोहर डिगवानी पैनल द्वारा नगर भ्रमण में व्यापारियों का अभूतपूर्व जनसमर्थन देखने को मिला। शांम 5 बजे सिटी कोतवाली चौक से प्रारंभ हुई इस यात्रा में सैकड़ो व्यापारी शामिल हुए। पूरे मार्ग में व्यापारियों एवं नागरिकों ने पुष्पवर्षा कर पैनल का स्वागत किया।

मनोहर डिगवानी ने कहा कि आपका ये भाई और इसकी पूरी टीम कंधे से कंधा मिलाकर आपके हर सुख-दुख में खड़ी रहेगी। ये कारवां अब रुकने वाला नहीं है। नगर भ्रमण का शुभारंभ प्रभु श्रीराम के परम भक्त हनुमानजी की पूजा-अर्चना के साथ हुआ। इसके बाद वरिष्ठ व्यापारियों राजल दास, फेरूमल, रमेश जैन, सीताराम अग्रवाल, रामू भैया, राकेश अग्रवाल, मुन्ना भैया, राजेश कैला, सुरेश बड़ेरिया, संजय बड़ेरिया, महेन्द्र पाल मोंगिया, दर्शन अरोरा, प्रदीप अरोरा सहित मनोहर-मनोज टीम ने महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं आरती कर समाज के आदर्शों को नमन किया।

वरिष्ठ व्यापारी राजल दास, फेरूमल रमेश जैन, सीताराम अग्रवाल,रामू भैया, राकेश अग्रवाल, मुन्ना भैया, राजेश कैलाश, सुरेश बड़ेरिया, संजय बड़ेरिया, महेन्द्र पाल मोँगिया, दर्शन अरोड़ा प्रदीप अरोड़ा सहित टीम मनोहर मनोज ने महाराजा अग्रसेन जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर आरती की। लगभग 350 से अधिक व्यापारियों की उपस्थिति में कोतवाली चौक से जयसतम्भ, हॉस्पिटल चौक, स्टेशन रोड होते हुए भव्य भ्रमण किया गया। व्यापारियों का उत्साह और स्नेह देखते ही बनता था। मार्ग में प्रत्येक दुकान, प्रत्येक प्रतिष्ठान पर व्यापारी भाइयों ने पुष्प वर्षा कर पूरी टीम का स्वागत किया।

संक्षिप्त समाचार

मानस भवन में आयोजित होंगे कई धार्मिक कार्यक्रम

रीवा। मानस मंडल मानस भवन रीवा द्वारा आयोजित मासिक मानस संगोष्ठी का प्रत्येक माह होने वाला आयोजन 27 जून 2026 शनिवार को शाम 4 बजे से 7 बजे तक होना सुनिश्चित हुआ है। इसी प्रकार संगीतमय मासिक सुंदरकांड पाठ 30 जून को शाम 4 बजे से आयोजित होगा। ज्ञात हो कि सुभाष पांडे के अध्यक्ष बनने के बाद से प्रत्येक माह लगातार संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन हो रहा है।

मोहर्रम के मौके पर निकला ताजिया का जुलूस

रीवा। अल्लाह रब्बुल इज्जत के महबूब नबी इस्लाम धर्म के आखिरी पैगम्बर हज़रत मुहम्मद सल्ललाहो अलैहे वसल्लम के नवासे शहीदे आज़म हज़रत इमाम हुसैन रजिअल्लाह तआला अन्हो तथा उनके आल की करबला की जंग में हुई शहादत की याद में मनाये जाने वाले मुहर्रम त्योहार की सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है। आज देर रात शहर एवं जिले की सभी ताजिया चौको पर ताजिया रख कर फातिहा दरूद किया गया। उक्त आशय की जानकारी प्रेस को जारी करते हुये जिला मोहर्रम कमेटी के सरपरस्त एवं प्रवक्ता एड. महमूद खान ने बताया कि जिला मोहर्रम कमेटी द्वारा घोषित प्रोग्राम के मुताबिक 26 जून को सुबह 05 बजे तरहटी की सभी ताजिया ढोल साहभोलन सिटी कोतवाली पहुचेगे तथा फिर वहां से फोर्ट रोड स्टेचू चौराहा, प्रकाश चौराहा होकर छोटी दरगाह आयेगे तथा उसके बाद धोबिया टंकी होकर गोविन्दगढ़ मार्ग से बिछिया तकिया मजार में जायेगे तथा वहां प्रोग्राम में शिरकत करने के बाद सुबह 11 बजे तक अपने-अपने मुकाम वापस चले जायेगे।

मोहर्रम को लेकर हनुमना थाना परिसर में हुई शांति समिति की बैठक

हनुमना। आगामी मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं आपसी सौहार्द के वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से हनुमना थाना परिसर में शांति समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों तथा मुस्लिम एवं हिंदू समाज के गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता की। बैठक में तहसीलदार शिवम गौतम, थाना प्रभारी निरीक्षक अनिल काकडे, नगर परिषद अध्यक्ष सोनू आशुतोष गुप्ता, नगर परिषद के संबंधित अधिकारी एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों की उपस्थिति रही। इस दौरान मोहर्रम के अवसर पर निकलने वाले ताजिया जुलूस की सुरक्षा व्यवस्था, जुलूस मार्गों की स्थिति, यातायात प्रबंधन, पेयजल व्यवस्था तथा मार्ग में लटक रहे बिजली के तारों को दुरुस्त कराने सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

आदिवासी बालक छात्रावास चकडौर में व्यवस्थाओं का अलम

रामपुर नैकिन। जिले के रामपुर नैकिन विकासखंड अंतर्गत आदिवासी बालक छात्रावास चकडौर की अव्यवस्थाओं को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि छात्रावास में पदस्थ अधीक्षक गंगा सिंह की नियमित उपस्थिति नहीं रहती, जिससे व्यवस्थाएं प्रभावित हो रही हैं। वहीं कुछ शिक्षकों की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं।

25 जून का दिन भारतीय लोकतंत्र के लिए इतिहास का सबसे काला दिनः डॉ. नरोत्तम मिश्र

अटल कुंज में आपतकाल की विभीषिका को प्रगट करने लगायी गयी प्रदर्शनी

नगर संवाददाता ■ रीवा

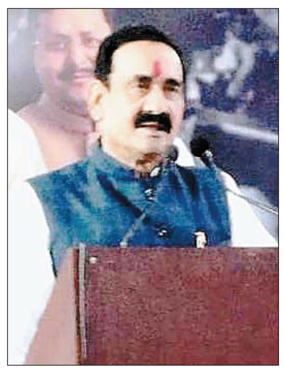

आपातकाल के 51 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा संभागीय कार्यालय अटल कुंज ढेकहा रीवा आपातकाल की विभीषिका को प्रकट करने वाले प्रदर्शनी लगाई गई है, जिसमें आपातकाल के सभी बिन्दुओं को कुरेदा गया है। प्रदेश के पूर्व मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा, सांसद जनार्दन मिश्रा, भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता द्वारा दीप प्रज्जवल एवं फीता काटकर प्रदर्शन का शुभारंभ किया गया है जो पार्टी कार्यकर्ताओं सहित आम जनों के लिए दर्शनार्थ खुली रहेगी। इस अवसर पर विन्ध्य विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष पंचूलाल प्रजापति, पूर्व विधायक प्रभाकर सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष विद्या प्रकाश श्रीवास्तव, पूर्व प्रदेश मंत्री राजेश पाण्डेय, पूर्व विधायक श्यामलाल द्विवेदी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्रीमती ममता गुप्ता, श्रीमती मनीषा पाठक, राजेन्द्र पाण्डेय, सतना जिलाध्यक्ष भगवती पाण्डेय, सतना प्रभारी बी एस ठाकुर, राजेश प्रताप सिंह कार्यक्रम प्रभारी, अनिल पटेल मुख्य रूप से रहे। कार्यक्रम का संचालन जिला मंत्री बिजेन्द्र गौतम ने किया व आभार जिला मंत्री श्रीमती सुमन शुक्ला द्वारा किया गया। विचार गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि आज 25 जून का दिन भारतीय लोकतंत्र के लिए इतिहास का सबसे काला दिन है, 25 जून 1975 को देश के अंदर अपनी सत्ता बनाए रखने के लिए कांग्रेस पार्टी ने देश में आधी रात को आपातकाल लागू किया था। रातों रात देश को जेल में तब्दील कर दिया गया था देशवासियों के मौलिक अधिकार स्थगित कर दिए गए थे आपातकाल की घोषणा के साथ ही भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं क़ो रातों रात बंधक बना दी गईं। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, व्यक्तिगत स्वतंत्रता, और न्यायिक संरक्षण जैसे मौलिक अधिकार स्थगित कर दिए गए। मीडिया पर कठोर सेंसरशिप लागू कर दी गई। विरोध करने वाले हजारों नेताओं, कार्यकर्ताओं, पत्रकारों, साहित्यकारों को बिना मुकदमे के जेलों में ठूंस दिया गया। 'इंदिरा इज़ इंडिया और इंडिया इज़ इंदिरा' जैसे नारे लगाने वालों को पुरस्कृत किया गया, जबकि आलोचकों को देशद्रोही बताकर प्रताड़ित किया गया। 21 महीनों तक देश को लोकतंत्र से वंचित रखकर कांग्रेस के एक परिवार की सत्ता बनाए रखने के लिए संविधान का गला घोंटा गया। कांग्रेस ने आपातकाल लगाकर राष्ट्रवादी विचारधारा को कुचलने का कार्य किया। आपातकाल के 51 वर्ष मतलब लोकतंत्र पर कांग्रेस के कुठाराघात के 51 वर्ष।

देश की प्रगति के पीछे लोकतंत्र सेनानियों का बलिदानः वीरेन्द्र गुप्ता

भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता ने लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष की प्रशंसा करते हुए कहा कि लोकतंत्र सेनानियों का ही संघर्ष है जिसके परिणाम स्वरुप भारत में लोकतंत्र पुर्नस्थापित हुआ। आज देश की प्रगति के पीछे लोकतंत्र सेनानियों का बलिदान आधार का पत्थर है। जिसके कारण लोकतंत्र पुर्नस्थापित हुआ और 2014 में भाजपा के नरेंद्र मोदी जैसे व्यक्तित्व के रूप में भारत को महान नायक मिला जिनके नेतृत्व में लोकतंत्र की जड़ें बहुत मजबूत व गहरी हुईं, तुष्टीकरण संतुष्टीकरण में बदला, पूरा भारत एक हुआ, आतंकवाद की कमर टूटी, 11 वीं अर्थव्यवस्था से देश विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था बना। विचार गोष्ठी को सम्बोधित करते पूर्व विधायक व मीसाबंदी प्रभाकर सिंह एवं राजेन्द्र ताम्रकार ने आपातकाल के अनुभव रखते हुए कहा कि आपातकाल में सत्ता के माध्यम से अत्याचार की पराकष्ठा की गई। कई मीसाबंदी पागल हो गये, कई लोगों की गृहगृस्थी चौपट हो गई।

कांग्रेस पार्टी लोकतंत्र विरोधी हैः जनार्दन मिश्र

विचार गोष्ठी को सम्बोधित सांसद जनार्दन मिश्रा ने कहा मीसा कानून में संशोधन कर प्राकृतिक न्याय की भावना का उल्लंघन किया गया। कांग्रेस पार्टी लोकतंत्र विरोधी है कांग्रेस ने संविधान में अब तक 75 बार संशोधन किए, कई संशोधन सत्ता को मजबूत करने हेतु थे। अनुच्छेद 356 का दुरुपयोग करते हुए चुनी हुई राज्य सरकारों को बर्खास्त किया। मीसा कानून के ज़रिए निर्दोष लोगों को कैद किया गया- मीशा का काला कानून लागू कर प्राकृतिक न्याय मौलिक अधिकारों का खुला उल्लंघन किया गया। कांग्रेस संविधान बचाने की बात करती है, लेकिन इतिहास गवाह है कि वही कांग्रेस बार-बार संविधान को बेरहमी से कुचलती रही है।

मीसाबंदी एवं परिवारजनों का किया गया सम्मान

मीसाबंदी व उनके परिवारों को पूर्व मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा द्वारा साल, श्रीफल व माला पहनाकर एवं सामूहिक रूप से लोकतंत्र सेनानियों पर पुष्प वर्षा कर सम्मान किया गया। जिसमें से स्व. केशव पाण्डेय, स्व. अर्जुन सिंह चौहान, स्व. कौशलेन्द्र प्रसाद मिश्रा, राजेन्द्र ताम्रकार, जनार्दन मिश्रा, बसंत दुबे, अरूण दुबे, रमाकांत पाण्डेय, महेश्वरी त्रिपाठी, रामजी ताम्रकार, मोहनलाल गुप्ता, दुर्गेश दुबे, रामभुवन त्रिपाठी, रामकिशोर ताम्रकार, हरिनाम घंसाणी, रघुनन्दन प्रसाद सतना से प्रभाकर सिंह, केशव भारती, शंकरलाल ताम्रकार, स्व. केदारनाथ गुप्ता, स्व. रामानन्द सिंह, स्व. जयंत तिवारी प्रमुख रूप रहे। भाजपा विचारधारा से प्रेरित होकर कई महिलाओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण किया। इस विचार गोष्ठी कार्यक्रम के अवसर पर वरिष्ठ नेता राम सिंह, महाबली गौतम, कमल सोनी, जिला उपाध्यक्ष शरद साहू, राजेश प्रताप सिंह, श्रीमती संध्या कोल, अशोक सिंह गहरवार, जिला महामंत्री उमाशंकर पटेल, विवेक गौतम, जीवनलाल साकेत, योगेन्द्र शुक्ला, प्रदेश सह कोषाध्यक्ष महिला मोर्चा श्रीमती पूर्णिमा तिवारी, जिला उपाध्यक्ष महिला मोर्चा श्रीमती साधना गुप्ता, उर्मिला सिंह दुबे, सांसद प्रतिनिधि नगर निगम रमाशंकर गुप्ता, नारायण मिश्रा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मुस्तहाक खान बने मैहर जिला प्रभारी

नगर संवाददाता ■ रीवा

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी की सहमति से मध्य प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के प्रभारी आबिद कागज़ी एवं लियाकत अली साथ प्रदेश अध्यक्ष शेख अलीम ने पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह राहुल की सहमति से मुस्तहाक खान को मैहर जिले का अल्पसंख्यक विभाग का प्रभारी नियुक्त किया गया है।

मुस्तहाक खान ने कांग्रेस नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी का पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे। शीघ्र ही मैहर जिले का दौरा कर संगठन को मजबूत बनाने एवं नए जिला अध्यक्ष हेतु पैनल तैयार करने की प्रक्रिया को गति दी जाएगी। इस नियुक्ति पर कांग्रेस के नेता जिला अध्यक्ष ईजी. राजेंद्र शर्मा पूर्व विधायक एवं प्रदेश महामंत्री सुखेंद्र सिंह बन्ना रीवा शहर अध्यक्ष अशोक पटेल झब्बू जिला संगठन महामंत्री रवि तिवारी शहर संगठन महामंत्री सज्जन पटेल पूर्व शहर कार्यकारी अध्यक्ष वसीम राजा पूर्व शहर अध्यक्ष लखन लाल खंडेलवाल ब्लाक अध्यक्ष राम कृति शर्मा मो रफीक अंसारी शिवेंद्र सिंह नगर निगम पार्षद गण श्रीमती नजमा बेगम सहफूज खान अकरम अंसारी श्रीमती सूफिया बेगम गुलाम मुन्ना अहमद मुमताज खान वारिष्ट कांग्रेस नेता रामेश प्रताप सिंह चक्रधर सिंह राजेंद्र सिंह रिमारी राहुल सिंह सरदार माजिद खान गुले अहमद रईस खान रईसू डा.नूर खान सुरेश वर्मा अजहरूद्दीन खान अज्जू एडवोकेट जावेद अंसारी नूर अफजल अनवर अंसारी कार्यकर्ताओं एवं शुभचिंतकों ने मुस्तहाक खान को शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की है।

खजुराहों में सम्मानित किए गए शिव प्रसाद

नगर संवाददाता ■ रीवा

शिव प्रसाद प्रधान को देश के सर्वश्रेष्ठ वित्तीय संस्था भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा अच्छे कार्य करने के लिए एवं एमडीआरटी क्वालीफाई करने के लिए खजुराहो चंदेला होटल में सम्मानित किया गया। शिव प्रसाद प्रधान 54 वर्षों से भारतीय जीवन बीमा निगम में एलआईसी के एडवाइजर के रूप में कार्य कर रहे हैं जो कि पूरे देश में कुछ लोग ही हैं जो इतने वर्षों से इस मुकाम पर पहुंचे हैं और इस मुकाम को हांसिल किये है। भारतीय जीवन बीमा निगम के डिवीजन मैनेजर अपने वक्तव्य में शिव प्रसाद प्रधान की प्रशंसा करते हुए कहा कि इतने वर्षों से जो कार्य कर रहे हैं वह अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है। श्री प्रधान जैसे बहुत ही कम लोग हैं जो इतने वर्षों से इस मेहनत और स्फूर्ति से लगातार कम कर रहे हैं। इस दौरान शिव प्रसाद प्रधान ने मंच से कहा कि आज जो भी मैं इस मुकाम में पहुंचा हूं उसके लिए भारतीय जीवन बीमा निगम का बहुत बड़ा हाथ है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि परिश्रम धैर्य एवं ईमानदारी से हर मुकाम तक पहुंचा जा सकता है। जीवन में कोई भी ऐसा कार्य नहीं है कि जिसे लगन परिश्रम से किया जाए वह हासिल न हो। श्री प्रधान ने कहा कि कार्य एवं पैसे की कमी नहीं है बस अपने अंदर जुनून एवं गोल (लक्ष्य) होना चाहिए।

रीवा। विंध्य विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष डॉ.पंचूलाल प्रजापति मनगवां विधानसभा क्षेत्र-73 का भ्रमण किये। इस दौरान उन्होंने स्थानीय जन समस्याओं को सुना और उसका त्वरित निराकरण करने का प्रयास किया।

बालभारती विद्यालय में साइबर सुरक्षा व जागरूकता का एडि.एसपी ने दिया संदेश

नगर संवाददाता ■ रीवा

साइबर सुरक्षा जनजागरूकता अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप मिश्रा, नगर पुलिस अधीक्षक डॉ. रितु उपाध्याय एवं अमहिया थाना प्रभारी शिवा अग्रवाल ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक किया। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में ऑनलाइन ठगी, फर्जीकॉल, साइबर फ्रॉड और सोशल मीडिया से जुड़े अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को सतर्क एवं जागरूक रहना आवश्यक है।अपने संबोधन में एडि.एसपी ने कहा कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ बैंक खाते, ओटीपी, एटीएम पिन अथवा व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें। उन्होंने साइबर अपराध की शिकायत के लिए राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 एवं साइबर पोर्टल का उपयोग करने की सलाह दी। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को सुरक्षित इंटरनेट उपयोग, मजबूत पासवर्ड बनाने तथा डिजिटल माध्यमों का जिम्मेदारी पूर्वक प्रयोग करने के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए साइबर सुरक्षा से संबंधित प्रश्न पूछे। उन्होंने कहा कि अपराधों को रोकने में बच्चों एवं विद्यार्थियों की बड़ी भूमिका हो सकती है यदि आप सब सतर्क रहें तथा आप अपराध का विरोध करें तो अपराधी के मनोबल को कमजोर करते हुए अपराध को कम किया जा सकता है। साथ ही आप अपने माता-पिता, परिजनों एवं समाज के लोगों को अपराध से बचने के लिए जागरूक किया। प्राचार्य ने बच्चों को साइबर अपराध से बचने का संदेश देते हुए पुलिस विभाग के इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक ,प्राचार्य , प्रधानाध्यापिका , समन्वयिका , शिक्षक /शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

रुको, सोचो और फिर क्लिक करो

सायबर फ्राड से आम जन को जागरूक करने निकाली गयी जागरूकता रैली

नगर संवाददाता ■ रीवा

देश भर में हो रही साइबर फ्रॉड की घटनोओं से लोगों को जागरुक करने के उद्देश्य से पुलिस द्वारा सेफ क्लिक 2.0 अभियान शुरू किया जा रहा है। 24 जून से 8 जुलाई तक यह अभियान चलेगा जिसमें पुलिस गांव-गांव में लोगों को साइबर फ्रॉड की घटनाओं और उनसे बचाव के तरीकों के संबंध में जागरुक करेगी। इस अभियान के शुभारंभ पर कंट्रोल रुम से जागरूकता रैली निकाली गई जिसने पूरे शहर का भ्रमण किया। साथ ही जागरुकता रथ तैयार किए गए है जो पूरे क्षेत्र का भ्रमण कर जागरुकता का संदेश पहुंचायेंगे। इस दौरान पुलिस ने लोगों को साइबर फ्रॉड के तरीकों और उनसे बचाव की जानकारी दी। एसपी डॉ. गुरुकरण सिंह ने बताया कि पन्द्रह दिन का विशेष अभियान साइबर फ्रॉड की घटनाओं को रोकने के लिए चलाया जा रहा है। लोग अनजाने में साइबर फ्रॉड का शिकार हो जाते है। बदमाश किन-किन तरीकों का इस्तमाल करते है इसके संबंध में सभी लोगों को जानकारियां दी जाएगी और उनसे बचाव के तरीके से बताए जाऐंगे। समाज के हर वर्ग तक जागरुकता का संदेश पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

कुशवार में किसान संघर्ष समिति की 343वीं किसान पंचायत आयोजित

प्रश्न करिए,तर्क करिए,जवाब लेने के लिए आंदोलन कीजिएः डॉ. सुनीलम

नगर संवाददाता ■ रीवा

किसान संघर्ष समिति के राष्ट्रीय प्रवक्ता एड. शिव सिंह ने बताया कि ग्राम पंचायत कुशवार में किसान संघर्ष समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुनीलम की उपस्थिति में मणिरंजन सिंह की अध्यक्षता में 343वीं किसान पंचायत संपन्न हुई। किसान पंचायत में भारत-अमेरिका ट्रेड डील रद्द करने, सभी फसलों पर सी-2+50 प्रतिशत के आधार पर एमएसपी की कानूनी गारंटी, किसानों की संपूर्ण कर्ज़मुक्ति, बिजली संशोधन विधेयक एवं बीज विधेयक-2025 को वापस लेने, कृषि योग्य भूमि के अधिग्रहण पर रोक लगाने, किसानों को आवश्यकतानुसार खाद, बीज एवं डीजल उपलब्ध कराने, फार्मर आईडी संबंधी समस्याओं का समाधान तथा छुट्टा पशुओं से होने वाले फसल नुकसान की भरपाई फसल बीमा योजना के माध्यम से किए जाने सहित स्थानीय मुद्दों पर चर्चा की गई।

किसान पंचायत को संबोधित करते हुए डॉ. सुनीलम ने आपातकाल के 51 वर्ष बाद देश में अघोषित आपातकाल पर बोलते हुए कहा कि डबल इंजन की सरकारें सवाल करने वालों, तर्क करने वालों और विरोध करने वालों को देशद्रोही मानने लगी है। उन्होंने कहा कि दुनिया में हो रही तकनीकी प्रगति का लाभ यदि किसानों को मिला होता तथा किसानों को उचित मूल्य मिला होता तो किसानों को आत्महत्या के लिए मजबूर नहीं होना पड़ता। डॉ.सुनीलम ने कहा कि प्रश्न करिए,तर्क करिए,जवाब लेने के लिए आंदोलन कीजिए।

उन्होंने 28 जुलाई को नई दिल्ली में एसकेएम का अखिल भारतीय सम्मेलन और 29 जुलाई को एसकेएम और सीटीयू के राष्ट्रीय मजदूर-किसान सम्मेलन, भारत-अमरीका कृषि समझौते का देश में व्यापक विरोध की तैयारी तथा भारत छोड़ो आंदोलन की स्मृति में 10 अगस्त को व्यापक प्रतिरोध करने की किसानों से अपील की। किसान पंचायत को रामजीत सिंह, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह, प्रदेश सचिव संतकुमार पटेल, अभयराज सिंह, सीताराम (सरपंच), भोले सिंह (पूर्व सैनिक), चेतराज सिंह, किसान सभा के रामनरेश सिंह, रामनारायण सिंह (सरपंच) तथा अनिल मिश्रा सहित अन्य वक्ताओं ने संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन रामपाल सिंह ने किया।

निशा त्रिवेदी का आकस्मिक निधन

रीवा। शहर के पीके स्कूल के पास उर्रहट गली नम्बर एक निवासी सुधीर त्रिवेदी की धर्मपत्नी शिक्षाविद निशा त्रिवेदी का 61 वर्ष की आयु में बीती रात अचानक निधन हो गया। उन्हें रात में तकलीफ हुई संजय गांधी अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनके निधन पर दिनेश त्रिवेदी ,ओमप्रकाश बाजपेई, संजय मिश्रा, बृजेश चंद दुबे, उपेंद्र चंद्र दुबे ,नीलेश तिवारी, मनोज तिवारी ,आशीष तिवारी, सुनील तिवारी ,रेवा शंकर अवस्थी, प्रतीक मिश्रा,अजय मिश्रा ,विजय मिश्रा, वीरेंद्र मिश्रा सहित उनके चाहने वालों ने गहन शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किये है।

संपादकीय

भारत को कर्ज का मर्ज

मई में भारत का निर्यात 45.20 अरब डॉलर था, जबकि आयात 73.41 अरब डॉलर का करना पड़ा। नतीजतन एक ही माह में व्यापार घाटा 28.21 अरब डॉलर का रहा। भारत का राजकोषीय घाटा और चालू खाता घाटा भी बढ़े हैं। राजकोषीय घाटा जीडीपी के 1 फीसदी से अधिक तक बढ़ सकता है। हमारी मुद्रा 'रुपए' का अवमूल्यन होता रहा है। अब कुछ पैसे कम हुआ है, लेकिन अब भी 94 रुपए से अधिक है। महंगाई की दर 10 फीसदी तक पहुंचने को है। बेरोजगारी की दर भी बढ़ी है। यह ईरान युद्ध और उससे उपजे संकटों और प्रभावित सप्लाई चेन के फलितार्थ हैं। युद्ध के कारण ईंधन और उर्वरक की सबसिडी का बोझ बहुत बढ़ा है, लिहाजा सरकारी पूंजी के अलावा, अतिरिक्त स्रोतों की तलाश सरकार कर रही है। खबर आई है कि भारत सरकार विश्व बैंक और एशियाई विकास बैंक से 2.5 अरब डॉलर का कर्ज लेने पर विचार कर रही है। भारतीय मुद्रा में यह कर्ज 23,600 करोड़ रुपए से अधिक का होगा। इसमें से 14,160 करोड़ रुपए विश्व बैंक और 9440 करोड़ रुपए एशियाई विकास बैंक से कर्ज लिया जा सकता है। कर्ज की घोषणा आगामी दो माह में, कभी भी, की जा सकती है। इस तरह अब भारत पर विश्व बैंक का कुल बकाया कर्ज करीब 39.3 अरब डॉलर है। यह कर्ज भारत सरकार और विश्व बैंक के बीच 5 वर्षीय समझौते का हिस्सा होगा, जिसके तहत 8-10 अरब डॉलर की सालाना वित्तीय मदद का प्रावधान है। यह भी देश के सामने स्पष्ट होना चाहिए कि भारत विश्व बैंक से सबसे अधिक कर्ज लेने वाले देशों की सूची में शीर्ष स्थान पर है। चिंतित सरोकार यह नहीं है कि ईरान युद्ध के कारण भारत में कर्ज लेने की नौबत आ गई है। अमरीका अपनी कुल जीडीपी से काफी ज्यादा करीब 39 ट्रिलियन डॉलर के कर्ज में है। युद्ध के कारण भारत, अमरीका समेत ब्रिटेन, जापान, द. कोरिया, चीन, रूस, जर्मनी, फ्रांस, इटली, सिंगापुर, कनाडा सरीखे देशों की जीडीपी गिरी है। इस सूची में जी-7 के सभी देश शामिल हैं। ईरान की जीडीपी 6 फीसदी से अधिक लुढ़की है। दरअसल जब अमरीका-ईरान के बीच समझौते के दस्तावेज पर दोनों देशों के राष्ट्रपतियों ने दस्तखत किए थे, तो शेष विश्व के साथ भारत ने भी राहत की सांस ली थी, लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप ईरान को लगातार हमले की धमकियां देते रहे हैं, इजरायल ने लेबनान-हिज्बुल्ला पर 200 से अधिक हमले किए हैं, जिसमें कई हताहत हुए हैं, समझौता-वार्ता ना-नुकर के बीच ही घिसट रही है। ईरान ने होर्मुज को फिर बंद कर दिया है, हालांकि अमरीका का दावा इससे बिल्कुल उलट है। उसने 55 जहाजों-टैंकरों के गुजरने का दावा किया है। भारत के तीन टैंकर 8.6 लाख टन कच्चा तेल लेकर होर्मुज पार कर चुके हैं। हालात समझौते वाले नहीं लगते, लेकिन ट्रंप समझौते को लेकर बेहद उतावले और निराश हैं, लिहाजा संकट और किल्लत के आसार यथावत हैं। मई में खाद्य तेल 49.82 फीसदी महंगा हुआ है। कपड़ा, खाद, तेल-गैस आदि की कीमतें भी उछाल पर हैं। हालांकि 21 जून को कच्चे तेल की कीमत 81 डॉलर प्रति बैरल से अधिक थी। भारतीय बास्केट तो इससे महंगी होगी। इन संकटों के अलावा, अल-नीनो का खतरा मंडरा रहा है। कृषि अर्थशास्त्रियों के आकलन हैं चूंकि इस बार मॉनसून 38-40 फीसदी कमजोर रह सकता है, यानि जुलाई और उसके बाद का वक्त 'तनावपूर्ण' हो सकता है। तिलहन, सोयाबीन, दालों और सब्जियों की फसलें बुरी तरह प्रभावित हो सकती हैं, लिहाजा इनका महंगा होना स्वाभाविक है।

आधुनिक तकनीक और मजबूत इरादे रोकेंगे घुसपैठ

मधुरेन्द्र सिन्हा

वरिष्ठ पत्रकार

भारत की अंतर्राष्ट्रीय सीमाएं बहुत लंबी हैं और वे छह देशों से लगी हुई हैं। इनमें कई जगहों पर सेना तथा अर्धसैनिक बलों को तैनात करना पड़ा है। जैसे कि पाकिस्तान से लगती सीमा। यह अंतर्राष्ट्रीय सीमा 3,323 किलोमीटर लंबी है और इसकी देखभाल के लिए मुख्य तौर पर सीमा सुरक्षा बल तैनात है और जहां जंग जैसे हालात हैं वहां भारतीय सेना अपनी पूरी क्षमता के साथ तैनात है । लेकिन पिछले कई वर्षों से बांग्लादेश सीमा एक सिरदर्द बन गई है क्योंकि वहां से बड़े पैमाने पर घुसपैठ होने लगी थी। लाखों की तादाद में घुसपैठिये भारत में खासकर बंगाल और असम में आ घुसे। इन्हें रोकना एक चुनौती रही क्योंकि भारत-बांग्लादेश की सीमा बहुत लंबी यानी 4096 किलोमीटर की है जो पांच राज्यों को छूती है। इनमें कई जगहों पर न तो बाड़ है और न ही तार। इसका फायदा उठाकर घुसपैठिये भारत में आसानी से घुसते रहे हैं।

अब जबकि बंगाल में भाजपा आ गई है तो सीमा पर बाड़ लगाने का काम तेज हो गया है। बंगाल की तत्कालीन सरकार ने घुसपैठियों को रोकने तथा देश की रक्षा के इस महती प्रयास में जरा भी साथ नहीं दिया। जिसका नतीजा यह हुआ कि उन इलाकों में स्थानीय लोगों की तुलना में बाहरी लोग खासकर बंगाल में बांग्लादेशी बहुत बड़ी संख्या में बढ़े हैं। जनसंख्या में यह भारी बदलाव देश की सुरक्षा और स्थायित्व के लिए खतरा बनकर उभरा है। घुसपैठियों के आने से कई तरह की समस्याएं पैदा हुई हैं और एक खास समुदाय के लोगों की आबादी अभूतपूर्व तरीके से बढ़ी है।

दरअसल, जनसंख्या में यह बदलाव स्वाभाविक नहीं है बल्कि जानबूझकर और एक रणनीति के तहत अवैध तरीके से हुआ है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा है। इस मुद्दे को गृह मंत्रालय ने प्रमुखता से न केवल उठाया बल्कि इसके समाधान के लिए भी बड़े कदमों की घोषणा की तथा उन्हें कार्यान्वित करवाना शुरू कर दिया है। इसके लिए पारंपरिक तरीकों की बजाय डिजिटल टेक्नोलॉजी और कुशल मैनेजमेंट प्रणाली का सहारा लिया जायेगा ताकि अवैध तरीके से घुसपैठ करने वालों को निकाल बाहर किया जाये।

इसी कड़ी में देश की सीमाओं को पक्का करने के लिए घोषणा की गई है कि एक देशव्यापी स्मार्ट बोर्डर प्लान परियोजना एक वर्ष में आरंभ की जायेगी। इसके जरिये सीमा सुरक्षा को न केवल मजबूत किया जायेगा बल्कि अवैध घुसपैठियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जायेगी। ताकि सीमा पार से घुसपैठ पर अंकुश लगे। इसके तहत गृह मंत्रालय देश की 6,000 किलोमीटर लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर एक शक्तिशाली ग्रिड बनायेगा। इसमें निगरानी रखने वाली आधुनिकतम प्रणालियां जैसे ड्रोन, रडार, उच्च शक्ति वाले कैमरे और मॉनिटरिंग करने वाली अन्य टेक्नोलॉजी होगी ताकि सीमा सुरक्षा बल की क्षमताओं को बेहतर ढंग से बढ़ाया जा सके। इनकी मदद से दूर बैठकर ही जाना जा सकेगा कि कहां की सीमा पर खतरा है या कहां से घुसपैठ हो रही है। इससे हमारे सशस्त्र बलों को बहुत सुविधा होगी। उनके दिन-रात गश्त के बावजूद घुसपैठिये अपना काम कर जाते हैं लेकिन अब यह नहीं हो सकेगा। आधुनिक तकनीक से लैस ड्रोन आकाश से आसानी से निगरानी कर सकेंगे और रडार चेतावनी देंगे।

बंगाल की नई सरकार ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण चिकन नेक के पास 120 एकड़ जमीन सीमा सुरक्षा बल को दे दी है। वहां की पिछली सरकार ने अदालत के आदेश के बावजूद उस जगह को देने से इनकार कर दिया था। इस जगह को सिलीगुड़ी कॉरिडर कहा जाता है और शत्रु देश इसमें भारी घुसपैठ करके भारत के पूर्वोत्तर को उससे अलग कर सकता है। बांग्लादेश की भारत से लंबी सीमा में से अभी 600 किलोमीटर बिना बाड़ या किसी तरह के फेंस की थी। इस गैप को बंद करने के पीछे सीमा में अवैध घुसपैठ, तस्करी, पशुओं की चोरी, अवैध धंधे वगैरह पर अंकुश लगाना है। कुछ इलाकों में तो बांग्लादेश के निवासियों ने बाड़ लगाने के काम का पुरजोर विरोध भी किया और वहां के अर्धसैनिक बल ने भी उनका साथ दिया लेकिन सीमा सुरक्षा बल की सख्ती के कारण उनकी एक न चली और कंटीली तारें लगाने का काम जोर-शोर से चल रहा है। सरकार ने इसके लिए पर्याप्त फंड की भी व्यवस्था की है ताकि युद्ध-स्तर पर हो रहा काम रुकने न पाये।

पिछले महीने के अंत में गृह मंत्री अमित शाह ने देश में अवैध घुसपैठ और अप्राकृतिक जनसांख्यिकीय बदलाव को रोकने के लिए एक उच्चस्तरीय कमेटी की घोषणा की। ऐसा करके उन्होंने इस मामले को राजनीतिक न रहने देने की बजाय एक संस्थागत रूप में बदल दिया। यह कमेटी भारत में रह रहे हर अवैध घुसपैठिये की पहचान करेगी और उन लोगों पर कार्रवाई करेगी जो भारत में रह रहे हैं। इस कमेटी की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस प्रकाश प्रभाकर नाओलेकर करेंगे। इस कदम से अवैध घुसपैठ को रोकने के काम को कानूनी और संस्थागत सहारा मिलेगा। यह कमेटी देश के कई हिस्सों में बड़े पैमाने पर घुसपैठ तथा अप्राकृतिक कारणों से हो रहे जनसांख्यिकी बदलाव का वैज्ञानिक तरीके से अध्ययन करेगी। कमेटी के सदस्य क्षेत्रीय और जिला स्तर पर इस बात का अध्ययन करेंगे कि अवैध घुसपैठ के कारण वहां की जनसंख्या में कितनी बढ़ोतरी हुई और उसका गवर्नेंस, जन सेवाओं तथा सामाजिक स्थिरता पर क्या असर पड़ा या पड़ रहा है। यह कमेटी समयबद्ध तरीके से अपनी रिपोर्ट पेश करेगी। इसके तुरंत बाद बाद एक राष्ट्रीय एक्शन योजना बनाई जायेगी।

संपूर्ण दवा सुरक्षा श्रृंखला मजबूत हो

अक्टूबर, 2025 में, मध्य प्रदेश के एक ज़िले में संदूषित कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत की ख़बरों ने देश को झकझोर दिया था। अब, जून, 2026 में, भारत सरकार ने कुछ नियम बदले हैं और 'शेड्यूल के' से सभी सिरप को अनुमति सूची से हटा दिया है। 'शेड्यूल के' में गांवों या ऐसी जगहों पर, जहां पर आबादी एक हज़ार से कम है, गैर-फ़ार्मेसी दुकानों पर भी सिरप बिक्री को मंजूरी थी। अब पूरे देश में, दवा युक्त सिरप आम दुकानों पर नहीं रखी जा सकती और उनकी बिक्री डॉक्टर की पर्ची पर होना अनिवार्य है। मध्य प्रदेश की कफ सिरप त्रासदी के बाद जांच हुई और कुछ नियामक पहल हुई। इस घटना की याद ने नीतिगत फ़ैसले को आकार दिया है। हालांकि, इसे मोटे तौर पर कफ सिरप की बिक्री के लिए डॉक्टर की पर्ची अनिवार्य किए जाने के फ़ैसले के तौर पर देखा जा रहा है, लेकिन सच तो यह है कि ज़्यादातर दवा युक्त कफ सिरपों में (हर्बल सिरप को छोड़कर) ऐसे तत्व होते हैं, जिनकी खरीद या बेचने से पहले डॉक्टर की पर्ची की अनिवार्यता हमेशा से थी। मगर, पालन नहीं किया जाता था। यह नीतिगत फ़ैसला स्पष्ट रूप से पर्ची की अनिवार्यता को सुदृढ़ करता है। सभी सिरपों में, भारत में सबसे अधिक गलत इस्तेमाल कफ़ सिरप का होता है। कई लोग बीमारी की सही शिनाख्त करवाए बिना खुद से इन्हें खरीद लेते हैं, छूत से लगी सर्दी-खांसी में इनका इस्तेमाल करते हैं जबकि इनसे फायदा बहुत कम होता है। सुरक्षा संबंधी चिंताओं के बावजूद यह छोटे बच्चों को बार-बार खुराक दी जाती है। धारणा बना ली कि मीठा तरल नुकसानदायक प्रतीत नहीं होता। कुछ सिरप फार्मूलों में एंटीहिस्टामाइन, डिकंजेस्टेंट, सिडेटिव, ओपिओइड या अल्कोहल जैसे तत्व होते हैं, जो फ़ायदे के बजाय नुकसान अधिक पहुंचा सकते हैं। किशोरों और वयस्कों में भी कुछ किस्म के सिरप का गलत इस्तेमाल होता है। पर्ची की अनिवार्यता बनने से लोग आसानी से इन्हें नहीं खरीद पाएंगे, पहले डॉक्टर से मिलना ज़रूरी हो जाएगा। फिर भी, यह कहानी का सिर्फ़ एक हिस्सा है। कई परेशान माता-पिता के लिए बच्चे की खांसी चिंताजनक हो जाती है, और डॉक्टर के पास जाने पर अगर सिरप न लिखा जाए तो उन्हें अक्सर लगता है कि इलाज अधूरा रह गया। मरीज़ अक्सर कफ सिरप लिखने की मांग करते हैं और अगर डॉक्टर मना कर दे, तो कुछ परिवार किसी दूसरे डॉक्टर का रुख करते हैं, जो इसे लिख दे। पुरानी पर्चियों को भी संभालकर रखा जाता है और मिलते-जुलते लक्षणों के लिए वही दवा दोबारा खरीदने में इस्तेमाल किये जाते हैं। ऐसे हालात में, नियमों में यह बदलाव गलत इस्तेमाल को कम कर सकता है, पर्ची की अनिवार्यता होने को मजबूत करता है और गलत इस्तेमाल को बढ़ावा देने वाले व्यवहार को बदल सकता है। बेशक, यह बदलाव स्वागतयोग्य है, लेकिन काफ़ी नहीं है। मध्य प्रदेश की कफ सिरप त्रासदी मुख्य रूप से डॉक्टर की पर्ची न होने के कारण नहीं हुई थी। यह बच्चों तक संदूषित उत्पाद पहुंचने के कारण हुई। जब डायथिलीन ग्लाइकॉल या एथिलीन ग्लाइकॉल-वे औद्योगिक रसायन, जो दवाओं में कदापि नहीं होने चाहिए-किसी सिरप में मिला दिए जाएँ, तो यह व्यवस्था-तंत्र की विफलता है, जिसकी ज़िम्मेदारी ऊपर स्तर पर बैठे नियामकों की है। इसमें कच्चे माल की खरीद, परीक्षण, लाइसेंसिंग, निरीक्षण और बाज़ार से उत्पाद हटाने जैसी प्रक्रियाओं की प्रभावी निगरानी आवश्यक होती है। डॉक्टर की परामर्श पर्ची उपयोग को तो नियंत्रित कर सकती है, लेकिन संदूषित खेप को सुरक्षित नहीं बना सकती। अन्य देश इस बाबत उपयोगी सबक हो सकते हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका में, खांसी और जुकाम की कुछ दवाएं बिना डॉक्टर की पर्ची के उपलब्ध हैं, लेकिन नियामक दो साल से कम उम्र के बच्चों में इनके उपयोग पर चेतावनी देते हैं, और निर्माता आमतौर पर चार साल से कम उम्र के बच्चों के लिए उपयोग के खिलाफ लेबल पर लिखा होता है। यूनाइटेड किंगडम में, कई खांसी और जुकाम की दवाएं छह साल से कम उम्र के बच्चों के लिए अनुशंसित नहीं हैं, जबकि छह से बारह वर्ष की आयु के बच्चों में उनका उपयोग स्वास्थ्य कर्मी की देख-रेख में होता है। ऑस्ट्रेलिया ने भी छोटे बच्चों में इसके उपयोग को हतोत्साहित किया है और लेबल पर बाकायदा चेतावनी छापने को कड़ा कर रखा है। ये देश दुर्घटना अवसर घटाने के लिए केवल डॉक्टर की पर्ची पर निर्भर नहीं हैं। वे आयु प्रतिबंध, चेतावनी लेबल, डाक्टरी परामर्श, विष नियंत्रण प्रणाली, प्रतिकूल घटना पर त्वरित सूचना और निगरानी उपायों का उपयोग करते हैं। भारत को एक बहुस्तरीय दृष्टिकोण की आवश्यकता है। सर्वप्रथम, दो साल से कम उम्र के बच्चों को खांसी और जुकाम की दवाइयां न तो लिखी जानी चाहिए और न ही दी जानी चाहिए, सिवाय कुछ दुर्लभ मामलों में विशेषज्ञ की सलाह पर। इनसे बड़े बच्चों के लिए, मानकीकृत देखभाल की शुरुआत, दिलासा देने, तरल पदार्थ देकर, जरूरत पड़ने पर बुखार नियंत्रण, सेलाइन ड्रॉप्स, एक साल की उम्र के बाद शहद देना और स्पष्ट चेतावनी संकेतों को बूझना, जिन्हें चिकित्सकीय ध्यान की आवश्यकता है, जैसे उपायों से हो सकती है। माता-पिता को यह पता होना चाहिए कि ज्यादातर खांसी एक संक्रमण रोग है, अपने आप ठीक हो जाती है और इसके लिए सिरप की जरूरत नहीं होती। दूसरा, उत्पादन नियमों को और अधिक सुदृढ़ किया जाना चाहिए। प्रत्येक पी जाने वाली दवा, जिसमें ग्लिसरीन, प्रोपिलीन ग्लाइकॉल या सॉर्बिटोल जैसे सहायक पदार्थ शामिल होते हैं, उनकी विषाक्तता की अनिवार्य जांच की जानी चाहिए। कच्चे माल के आपूर्तिकर्ता लाइसेंस धारक हों, और उन पर नजर रखी जानी चाहिए। राज्य औषधि नियामकों को प्रशिक्षित निरीक्षकों, आधुनिक प्रयोगशालाएं, डिजिटल रिकॉर्ड और दबाव से मुक्ति की आवश्यकता है। बार-बार उल्लंघन करने पर केवल अस्थायी निलंबन ही नहीं, बल्कि मुकदमा और लाइसेंस रद्द करने की कार्रवाई भी होनी चाहिए। तीसरा, विषाक्ता का पता लगने पर शेष दवा को बाज़ार से तुरंत हटाने वाली प्रणाली होना जरूरी है। एक बार दूषित उत्पाद का संदेह होने पर, सूचना दिनों की बजाय घंटों में प्रसारित होनी चाहिए। एक राष्ट्रीय डिजिटल दवा रिकॉल प्लेटफॉर्म हो, जोकि बैच नंबर, फार्मेसियों, डॉक्टरों, अस्पतालों और आम जनता से जुड़ा हो, इससे कई जानें बच सकती हैं। हर बोतल पर एक क्यूआर कोड होना चाहिए जिसके माध्यम से माता-पिता निर्माता, बैच नंबर, समाप्ति तिथि और रिकॉल की स्थिति की पुष्टि कर सकें।

चन्द्रकांत लहरिया

स्वास्थ्य नीति विशेषज्ञ

कमजोर मानसून का विकास दर पर असर

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

अर्थशास्त्री

आरबीआई द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति पर जारी हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि दक्षिण-पश्चिम मानसून के कमजोर रहने से देश की कृषि और विकास दर पर असर पड़ सकता है। इस समय जून माह में समय से पीछे चल रहे मानसून ने खरीफ फसलों को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। अभी तक करीब 42 प्रतिशत बारिश कम होने से नकदी फसलें कपास और सोयाबीन बुवाई के आरंभिक दौर में पिछड़ गई हैं। ऐसे में कृषि तथा अर्थव्यवस्था के सामने अल-नीनो और कमजोर मानसून से सूखे की आशंका तथा महंगाई की चुनौतियां उभरकर दिखाई दे रही हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ के विश्व मौसम विभाग ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि वर्ष 2026 में भारत अल-नीनो से अत्यधिक प्रभावित होगा। कमजोर मानसून और सूखे की स्थिति कृषि, जल आपूर्ति और महंगाई के परिदृश्य पर चुनौतियां निर्मित करते हुए दिखाई देगी।

इससे पहले वर्ष 2015 में भारत में अत्यधिक कम बारिश रिकॉर्ड की गई थी, उस समय मानसून सामान्य से लगभग 13 प्रतिशत कम था। इस वर्ष मानसून के दौरान अल-नीनो की स्थिति मजबूत होने की वजह से बारिश अत्यधिक कम होगी। इतना ही नहीं, जलाशयों के सूखने और खेती के लिए पानी की कमी की चिंता बढ़ गई है। यह परिदृश्य भारत द्वारा वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान लक्षित विकास दर को बनाए रखने के लिए एक चुनौती दिखाई दे रहा है। नीति आयोग के मुताबिक देश के कुल फसल रकबे का केवल 55 प्रतिशत सिंचित है और 45 प्रतिशत खेती मानसून पर निर्भर है।

सीडब्ल्यूएमआई के अनुसार, लगभग 74 प्रतिशत गेहूं और 65 प्रतिशत चावल की खेती वाले क्षेत्र पहले से ही भारी जल-संकट का सामना कर रहे हैं। व्यावसायिक फसलों और औद्योगिकीकरण की ओर बढ़ते रुझान से भारत में मानसून की वर्षा पर निर्भरता बढ़ी हुई है।

मौजूदा परिदृश्य देश के वर्तमान सुकूनदायक कृषि क्षेत्र के समक्ष एक चुनौती बनकर दिखाई दे रहा है। कम बारिश से जलाशयों में पानी का स्तर गिरने से सिंचाई और पीने के पानी की उपलब्धता प्रभावित होगी, ऐसे में अभी से जल संरक्षण के प्रयास शुरू होने चाहिए। भारत को फसल विविधीकरण और खेती में आधुनिक तकनीक के एकीकरण के साथ आगे बढ़ना होगा।

कमजोर मानसून और अल-नीनो के खतरे के पूर्वानुमान के बीच खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए खाद्य भंडारण को मजबूत करना होगा। भारत में अनाज का रिकॉर्ड उत्पादन एक 'सुरक्षा कवच' की तरह है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि वर्ष 2008 की वैश्विक मंदी में भी भारत की अर्थव्यवस्था खाद्यान्न ताकत के कारण बहुत कम प्रभावित हुई। इतना ही नहीं, कोरोना से जंग में देश के खाद्यान्न भंडार देश के लिए हथियार बन गए थे। इसलिए गेहूं के आगामी किसी भी नए निर्यात आदेश की पूर्ति के लिए सजगता रखनी होगी। चूंकि इस साल खरीफ सीजन की बुवाई शुरू से ही कम रहने से देश के किसानों और नीति-निर्माताओं की चिंताएं बढ़ गई हैं। मौसम विभाग के अनुसार देश के कई हिस्सों में पिछले 10 सालों का सबसे खराब और सूखा मानसून देखने को मिल सकता है। अल-नीनो के बढ़ते असर को देखते हुए केंद्र सरकार ने 1 जून, 2026 से देशव्यापी 'खेत बचाओ' अभियान के तहत रणनीतिपूर्वक कदम बढ़ाए हैं। इसके तहत किसानों को उनके इलाके और फसल के हिसाब से खास सलाह दी जा रही है, ताकि वे मौसम के जोखिमों को समझकर सही निर्णय ले सकें। इसके साथ-साथ किसानों को उनके इलाके के मौसम, वहां की मिट्टी और बाजार की मांग के हिसाब से कृषि उत्पादन संबंधी व्यावहारिक मार्गदर्शन भी दिया जा रहा है।

सरकार ने एक व्यापक और सहयोगी ढांचा तैयार किया है। इस अभियान में स्थानीय पंचायतों, राज्य सरकारों, कृषि विज्ञान केंद्रों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संस्थानों और स्थानीय कृषि विभागों को एक साथ जोड़ा गया है। कृषि मार्गदर्शन की पहुंच मजबूत करने के लिए 1,600 से ज्यादा विशेष टीमें बनाई गई हैं। ये टीमें खेतों में जाकर किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड और पीएम-किसान जैसी योजनाओं का लाभ दिलाने में मदद भी करेंगी। इसके साथ ही दालों और तिलहनों के उत्पादन को बढ़ाने, ऑयल पाम की खेती, कॉटन मिशन, सॉइल हेल्थ मैनेजमेंट और जल संरक्षण जैसे अभियानों को भी इसी अभियान से जोड़कर जागरूकता फैलाई जाएगी।

कॉकरोची सवाल व शिक्षा के असली संकट

एक काल्पनिक स्थिति के बारे में सोचिए। सत्ताधारी सरकार-जो लोगों की बात सुनने की कला के लिए विशेष तौर पर नहीं जानी जाती-उसने 'कॉकरोच जनता पार्टी' की मांगों को गंभीरता से लिया है। कल्पना कीजिए कि संबंधित केंद्रीय मंत्री ने अपनी अंतरात्मा की आवाज़ फिर पा ली और उन्होंने इस्तीफ़ा दे डाला। कल्पना कीजिए कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (केंद्रीय परीक्षा एजेंसी) के अधिकारी ईमानदारी और निष्ठा से काम करने लगे हैं।

कल्पना कीजिए कि बारम्बार की पेपर लीक घटनाएं अतीत की बात हो गई हैं और नीट जैसी मानकीकृत कर दी गईं परीक्षाएं सुचारु रूप से आयोजित हो रही हैं। क्या यह आवश्यक तौर पर संकेत है कि ऐसी काल्पनिक परिस्थिति में शिक्षा के मुख्य चलन के साथ सब चीज़ें ठीक हो जाएंगी? इसका साफ़ जवाब है 'नहीं'। असल में, हमें यह समझने के लिए गहराई में जाने की ज़रूरत है कि शिक्षा की मौजूदा संस्कृति में जो बीमारी व्याप्त है, वह सिर्फ़ पेपर लीक होने या संबंधित अधिकारियों की गैर-ज़िम्मेदाराना हरकत तक सीमित नहीं है। सर्वप्रथम, अब समय आ गया है कि हममें से कुछ लोग खुलकर कहें कि नीट, जेईई या सीयूईटी जैसी एमक्यूएम-आधारित मानकीकृत परीक्षाओं का सिद्धांत ही सबसे अधिक समस्या है। असल में, मुझे यह कहने में कोई हिचकिचाहट नहीं है कि इन मानकीकृत परीक्षाओं की तैयारी करने की प्रक्रिया ही दिमाग को एक खास सांचे में ढाल देती है, सोचने-समझने के दायरे को सीमित कर देती है और आलोचनात्मक सोच एवं रचनात्मक कल्पनाशीलता की क्षमता को कुंद कर देती है। अगर आप ध्यान से देखें तो, भौतिकी का छात्र अपने स्कूल की भौतिकी प्रयोगशाला में इसलिए जाने से कतराता है क्योंकि उसे कोचिंग सेंटर के 'रणनीतिकार' से पढ़ना और ओएमआर शीट पर जितनी जल्दी हो सके 'सही' जवाब पर टिक लगाने की तकनीक सीखना ज़्यादा भाता है। जब शिक्षा केवल मानकीकृत परीक्षाओं का प्रशिक्षण बनकर रह जाए तो विद्यालय-जो कि गहन सीखने-सिखाने की जगह होते हैं-धीरे-धीरे अप्रासंगिक हो जाते हैं। वे सभी चीज़ें जो स्कूली शिक्षा को जीवंत और आनंदमय बना सकती थीं-जैसे कि भौतिकी और जीव-विज्ञान प्रयोगशाला में विज्ञान के प्रयोगों से पैदा होने वाली जिज्ञासा; स्कूल लाइब्रेरी में नई किताबें पढ़ने और उन्हें छूने का बेपनाह आनंद; कक्षा में होने वाली गहन चर्चा और बहस; और खेल, संगीत व थिएटर का रोमांच-सब अप्रासंगिक हो जाते हैं। इसके बजाय, जो बचता है वह है 'डमी स्कूलों' की कठोर सच्चाई, कोचिंग सेंटरों का दबाव और शारीरिक रूप से थके हुए एवं मानसिक रूप से आहत किशोरों की बेचैनी, जिन्हें फुटबॉल खेलने, कोई अच्छा उपन्यास पढ़ने या लंबी सैर पर जाने के लिए शायद ही कोई 'फालतू' समय मिल पाता है। इसके अलावा, बार-बार होने वाली अभ्यास परीक्षाएं, जिनसे कोचिंग

'गुरु' लगातार छात्रों की 'गति' और 'कौशल' मापते हैं, उनके बचपन के सुनहरे सालों को बर्बाद कर देते हैं। इसमें कोई हैरानी की बात नहीं है कि वे अपने माता-पिता के सामने अपनी 'काबिलियत' साबित करने की कभी न खत्म होने वाली चिंता में जीते हैं, मां-बाप के लिए बच्चों के लिए 'सफलता' ही उनकी इज्जत का मोल बन जाती है। असल में, कोई भी समझदार शिक्षक और शिक्षाविद? यही कहेगा कि प्रशिक्षण का यह तरीका एक ऐसी मशीनी और बंधी-बंधाई सोच वाली मानसिकता बनाता है जो बच्चों में अस्पष्टताओं, जटिलताओं और बारीक बातों को समझने या उनके साथ जीने में पूरी तरह नाकाम कर देती है। सिर्फ़ इतना ही नहीं, इस बेचैन पीढ़ी को कई तरह की मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं-जैसे कि अवसाद, अकेलापन और आत्महत्या के ख्यालों-का सामना करना पड़ रहा। इस बीच, भारत का 'स्याह' शिक्षा तंत्र-यानी कोचिंग फ़ैक्टरियां-चोखा धंधा कर रहे हैं। दूसरी बात, भले ही सब कुछ विवादों से मुक्त लगे, लेकिन सच तो यह है कि नीट या जेईई जैसी मानकीकृत परीक्षाएं कभी भी निष्पक्ष नहीं होतीं।

वर्गों और जातियों में बंटे हमारे जैसे समाज में, जहां सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक समृद्धि के आधार पर तमाम किस्म की असमानताएं मौजूद हैं, कोई भी मुक़ाबला निष्पक्ष नहीं हो सकता। यह समझने के लिए किसी को समाज विज्ञानी होने की ज़रूरत नहीं है कि ग्रामीण सरकारी स्कूल के किसी गरीब या निम्न-मध्यम वर्गीय लड़के के मुकाबले, किसी अमीर और ऊंचे रसूख वाले परिवार का बेटा-जो किसी ब्रांडेड कोचिंग सेंटर से खास ट्रेनिंग का खर्च उठा सकता है-वह मुक़ाबला पहले ही जीत चुका होता है। भले ही कभी-कभार आप और मैं किसी टैक्सी ड्राइवर के बेटे या गरीब किसान की बेटी के नीट या जेईई जैसे अहम इम्तिहान पास करने की असाधारण कहानी अपवादवश सुनते हों, लेकिन कड़वा सच यह है कि ये सभी इम्तिहान निष्पक्ष होने के बजाय, समाज में पहले से मौजूद सामाजिक और आर्थिक असमानता को ही बढ़ावा देते हैं। इसलिए मान लेना चाहिए- एक निष्पक्ष मुक़ाबले का विचार महज़ भ्रम है, और इसलिए, मेरिटोक्रेसी (योग्यता-आधारित व्यवस्था) के तर्क वाली इस व्यवस्था को सही ठहराने का कोई कारण नहीं बनता।

और आखिर में, इस पूरी बीमारी को तब तक ठीक से नहीं समझा जा सकता जब तक हम यह न देखें कि कैसे नव-उदारवाद की 'मशीनी' सोच ने शिक्षा की लोकतांत्रिक और आज़ाद बनाने वाली क्षमता को खत्म कर डाला है। जैसे-जैसे बाज़ारवाद का सिद्धांत हावी हो रहा है, शिक्षा सिर्फ़ ऐसी नौकरियों के लिए प्रशिक्षण बनकर रह गई है जो टेक्नो-कॉर्पोरेट मशीन की आर्थिक उत्पादकता बढ़ाती हैं। इसमें कोई हैरानी की बात नहीं है कि हम लिबरल आर्ट्स और ह्यूमैनिटीज़ (मानविकी) विषयों की निरंतर गिरती अहमियत देख रहे हैं; हमने लगभग यह मान लिया है कि देश को अच्छे इतिहासकारों, मानव-विज्ञानियों, दार्शनिकों, कलाकारों, पत्रकारों या फ़िल्म निर्माताओं की ज़रूरत नहीं है; ऐसा लगता है कि देश को सिर्फ़ ऐसे आज्ञाकारी इंजीनियरों या टेक्नो-मैनेजरों की ज़रूरत है जो बिना किसी आलोचनात्मक सोच के अपने कॉर्पोरेट मालिकों की नौकरी कर सकें, या ऐसे लालची डॉक्टरों की जो प्राइवेट सुपर-स्पेशियलिटी अस्पतालों में नौकरी करें और स्वास्थ्य या इलाज को एक महंगी वस्तु की भांति बेचें। कोई हैरानी नहीं कि महत्वाकांक्षी वर्ग मुनाफ़ा कमाने वाले इन पेशों को जो एकतरफ़ा अहमियत देता है, उसने नीट और जेईई जैसी मानकीकृत परीक्षा को जीवन-मरण का सवाल बना दिया है। चाहे पेपर लीक हो या न हो, पूरी प्रक्रिया ही बीमारू है।

संक्षिप्त समाचार

विवाह का झांसा देकर युवती से किया दुष्कर्म

ग्वालियर। कम्पू थाना क्षेत्र में युवती के साथ विवाह का झांसा देकर शारीरिक शोषण किया गया। जब युवती ने युवक पर विवाह का दबाव बनाया तो उसने इंकार कर दिया। पीड़िता ने पुलिस से युवक की शिकायत की है। बारह बीघा सिकंदर कम्पू की रहने वाली 23 वर्षीय युवती अपने मामा के घर आंतरी खेरबाया गई थी। जहां उसकी पवन पुत्र अयोध्या मौर्य से पहचान हो गई। दोस्ती के बाद पवन ने 28 मार्च को युवती के साथ विवाह का झांसा देकर कम्पू थाना क्षेत्र स्थित एक होटल में दुष्कर्म किया। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि पवन किले पर भी ले गया और वहां पर उसका शारीरिक शोषण किया। जब युवती ने पवन से विवाह का कहा तो वह गुमराह करने लगा। इस दौरान उसने दूसरी जगह सगाई कर ली। जब युवती ने विवाह का दबाव बनाया तो वीडियो वायरल करने की धमकी देने लगा। पीड़िता थाने पहुंची और पुलिस को आपबीती सुनाई। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपित के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

खेल एवं शारीरिक शिक्षा के युवा राजदूत बनेंगे छात्र

ग्वालियर। लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान (एलएनआईपीई) द्वारा संचालित राष्ट्रीय विद्यालय संपर्क कार्यक्रम यंग एंगेजमेंट इन स्पोर्ट्स एंड फिजिकल एजुकेशन के अंतर्गत देशभर के 30 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों से 118 विद्यार्थियों का चयन किया गया है। यह कार्यक्रम कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों में खेल, शारीरिक शिक्षा और नेतृत्व क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। चयनित विद्यार्थियों के लिए 26 से 30 जून तक एलएनआईपीई परिसर में पांच दिवसीय आवासीय अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम आयोजित होगा। कार्यक्रम का शुभारंभ 26 जून को प्रातः 10:30 बजे संस्थान के सभागार में होगा। जिसमें मुख्य अतिथि प्रभारी कुलपति प्रो. एमके सिंह तथा विशिष्ट अतिथि प्रभारी कुलसचिव प्रो. यतेंद्र कुमार सिंह होंगे।

जयारोग्य व जीआरएमसी परिसर में गूंज रहे सोशल मीडिया वीडियो

ऊंची है बिल्डिंग, लिफ्ट तेरी बंद है... रील बनाकर उड़ाया अस्पताल की बदहाली का मजाक

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय (जीआरएमसी) एवं जयारोग्य चिकित्सालय (जेएएच) समूह अपनी स्वास्थ्य सेवाओं और व्यवस्थागत कमियों को लेकर अक्सर चर्चा में रहता है, लेकिन अब यहां की अव्यवस्थाएं सोशल मीडिया कंटेंट का हिस्सा बनने लगी हैं। अस्पताल और चिकित्सा महाविद्यालय परिसर में इन दिनों मरीजों के उपचार से ज्यादा रील्स बनाने का ट्रेंड दिखाई दे रहा है। स्थिति यह है कि अस्पताल की बदहाल व्यवस्थाओं को ही मनोरंजन का विषय बनाकर रील्स बनाई जाने लगीं।

जानकारी के अनुसार अस्पताल की नई बिल्डिंग में आए दिन लिफ्ट की समस्या मरीजों और उनके परिजनों के लिए परेशानी का कारण बनी रहती है। बुजुर्ग, गंभीर मरीज और उनके परिजन कई मंजिलों तक सीढ़ियां चढ़ने को मजबूर होते हैं। इसे सोशल मीडिया ने मनोरंजन का जरिया बना लिया। हाल ही में एक नर्सिंग छात्रा का वीडियो सामने आया है, जिसमें वह अस्पताल की बंद पड़ी लिफ्ट के सामने लोकप्रिय गीत ऊंची है बिल्डिंग, लिफ्ट तेरी बंद है पर रील बनाती नजर आ रही है। वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित हुआ और लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया।

मरीजों और वार्डों को बना रहे वीडियो का हिस्सा

अस्पताल परिसर में कई ऐसे वीडियो भी सामने आए हैं, जिनमें मरीज, वार्ड, कॉरिडोर और नई बिल्डिंग की लोकेशन बैकग्राउंड के रूप में दिखाई दे रही हैं। हालांकि मरीजों की गोपनीयता बनाए रखने के लिए स्पष्ट निर्देश हैं, लेकिन इसके बावजूद कई वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड किए जा रहे हैं।

क्लासरूम से कॉरिडोर तक रील्स का कब्जा

रील्स बनाने का यह चलन केवल अस्पताल तक सीमित नहीं है। जीआरएमसी और नर्सिंग कॉलेज परिसर में भी छात्र-छात्राएं क्लासरूम, कॉरिडोर, सीढ़ियों और कैंपस के विभिन्न हिस्सों में वीडियो शूट करते देखे जा सकते हैं।

निरीक्षण भी बन रहे सोशल मीडिया कंटेंट

अस्पताल की व्यवस्थाओं की निगरानी करने वाले कुछ अधिकारी और विभागीय जिम्मेदार भी सोशल मीडिया की इस दौड़ से अछूते नहीं हैं। विभिन्न विभागों के निरीक्षण और दौरों के वीडियो बनाकर उन्हें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा किया जाता है। इसे लेकर सवाल उठ रहे हैं कि निरीक्षण का उद्देश्य व्यवस्थाओं को सुधारना है या फिर सोशल मीडिया पर प्रचार हासिल करना।

इनका कहना है

मरीजों के साथ रील बनाना पूरी तरह प्रतिबंधित है। इस संबंध में पहले ही स्पष्ट आदेश जारी किए जा चुके हैं। यदि इसके बाद भी आदेशों का उल्लंघन किया जा रहा है तो ऐसे लोगों को चिन्हित कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

डॉ. आरकेएस धाकड़, अधिष्ठाता, जीआरएमसी ग्वालियर

साहित्यकार डॉ. श्रीवास्तव को मिला 'श्री कृति सम्मान'

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

शहर के वरिष्ठ साहित्यकार एवं लघुकथाकार डॉ. ऋषि मोहन श्रीवास्तव को उनके लघुकथा संग्रह 'जब तालियां बज उठीं' के लिए प्रतिष्ठित 'श्री कृति सम्मान' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें भोपाल स्थित हिंदी भवन में आयोजित अखिल भारतीय लघुकथा अधिवेशन एवं संगोष्ठी के दौरान लघुकथा शोध केंद्र समिति, भोपाल द्वारा प्रदान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश साहित्य अकादमी के पूर्व निदेशक डॉ. देवेंद्र दीपक थे। सम्मान समारोह में लघुकथा शोध केंद्र समिति की निदेशक कांता राय, उर्दू अकादमी की निदेशक नुसरत मेहंदी, वीणा पत्रिका इंदौर के संपादक राकेश शर्मा, साहित्य अकादमी के पूर्व निदेशक डॉ. उमेश कुमार सिंह तथा घनश्याम मैथिल 'अमृत' सहित अनेक साहित्यकार उपस्थित रहे। डॉ. ऋषि मोहन श्रीवास्तव को शॉल, श्रीफल एवं स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आयोजित संगोष्ठी का विषय 'समाज, साहित्य और शिक्षा 'बदलते संदर्भ' रहा, जिस पर देशभर से आए साहित्यकारों और लघुकथाकारों ने अपने विचार व्यक्त किए। डॉ. ऋषि मोहन श्रीवास्तव को 'श्री कृति सम्मान' प्राप्त होने पर साहित्यकार विनोद मिश्र, डॉ. राज गोस्वामी, डॉ. आलोक सोनी, राजेंद्र श्रीवास्तव, अरुण सिद्ध तथा डॉ. दीप्ति गौड़ सहित अनेक साहित्यप्रेमियों ने शुभकामनाएं दी।

आरजेएन अपोलो स्पेक्ट्रा अस्पताल के दस वर्ष पूर्ण

28 जून को होगा विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, विशेषज्ञ देंगे परामर्श

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं के लिए पहचान बना चुके आरजेएन अपोलो स्पेक्ट्रा अस्पताल ने सेवा, संवेदना और विश्वास के अपने 10 गौरवशाली वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। इस अवसर पर अस्पताल प्रबंधन द्वारा 28 जून को प्रातः 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक विशाल निःशुल्क मेगा सुपरस्पेशलिटी स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा।

शिविर में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ विशेषज्ञ चिकित्सक मरीजों को परामर्श एवं स्वास्थ्य संबंधी मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। अस्पताल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. पुरेन्द्र भसीन ने बताया कि पिछले एक दशक की सफलता क्षेत्र की जनता के विश्वास और सहयोग का परिणाम है।

आधुनिक तकनीक, अनुभवी चिकित्सकों और मानवीय मूल्यों के आधार पर अस्पताल ने हजारों मरीजों को गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराया है। उन्होंने कहा कि कोविड महामारी के दौरान भी अस्पताल ने निरंतर आपातकालीन और जीवनरक्षक सेवाएं प्रदान कर अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाई।

विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने का संकल्प

अस्पताल की निदेशक डॉ. प्रियंवदा भसीन ने कहा कि प्रत्येक मरीज को सम्मान और सुरक्षा के साथ बेहतर चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराना अस्पताल की प्राथमिकता है। वहीं कार्यकारी निदेशक डॉ. पार्थ देव भसीन ने बताया कि अस्पताल में हृदय रोग, न्यूरो विज्ञान, कैंसर, किडनी एवं प्रत्यारोपण, अस्थि एवं जोड़ प्रत्यारोपण, गैस्ट्रो एवं लीवर रोग, महिला एवं प्रसूति रोग, बाल रोग तथा क्रिटिकल केयर सहित अनेक विशेषज्ञ सेवाएं उपलब्ध हैं।

ग्वालियर-चंबल बनेगा रक्षा विनिर्माण का नया केंद्र, आत्मनिर्भर भारत को मिलेगी नई गति

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

ग्वालियर-चंबल अंचल को देश के प्रमुख रक्षा विनिर्माण हब के रूप में विकसित करने की दिशा में गत दिवस आयोजित बैठक में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। 'आत्मनिर्भरता इन डिफेंस मैन्युफैक्चरिंगः प्रमोटिंग स्टेट लेवल इकोसिस्टम्स' के अंतर्गत आयोजित राज्य स्तरीय परामर्श बैठक में रक्षा क्षेत्र से जुड़े विभिन्न हितधारकों ने भाग लेकर क्षेत्र की संभावनाओं और चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक की अध्यक्षता मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम (एमपीआईडीसी) के क्षेत्रीय कार्यालय ग्वालियर-चंबल की कार्यकारी निदेशक सुश्री अनीशा श्रीवास्तव ने की।

बैठक में अनीशा श्रीवास्तव ने अपने प्रस्तुतीकरण में मध्य प्रदेश के रक्षा विनिर्माण इकोसिस्टम और ग्वालियर-चंबल क्षेत्र की अपार संभावनाओं को रेखांकित किया। उन्होंने रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने, स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने, स्टार्टअप और इनक्यूबेशन इकोसिस्टम विकसित करने, कौशल विकास तथा एमएसएमई की भागीदारी बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक में उपस्थित विशेषज्ञों और उद्योग प्रतिनिधियों ने स्थानीय उद्योगों को रक्षा आपूर्ति श्रृंखला से जोड़ने, तकनीकी नवाचार को प्रोत्साहित करने, परीक्षण एवं प्रमाणन सुविधाओं के विस्तार तथा उद्योग-अकादमिक सहयोग को और मजबूत बनाने के सुझाव दिए। प्रतिभागियों ने माना कि ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में रक्षा उत्पादन और अनुसंधान के क्षेत्र में तेजी से उभरने की क्षमता मौजूद है। बैठक में प्राप्त सुझावों और फीडबैक के आधार पर राज्य स्तरीय रिपोर्ट तैयार की जाएगी, जिसे राष्ट्रीय स्तर पर चल रही रक्षा विनिर्माण परामर्श प्रक्रिया में शामिल किया जाएगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह पहल न केवल मध्य प्रदेश को रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में नई पहचान दिलाएगी, बल्कि 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को भी नई मजबूती प्रदान करेगी। उल्लेखनीय है कि ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में रक्षा प्रतिष्ठानों, तकनीकी संस्थानों और औद्योगिक आधारभूत संरचना की उपलब्धता इसे भविष्य के रक्षा विनिर्माण निवेशों के लिए एक आकर्षक गंतव्य बना रही है। यदि प्रस्तावित रणनीतियों को प्रभावी ढंग से लागू किया गया, तो यह क्षेत्र आने वाले वर्षों में देश के अग्रणी रक्षा विनिर्माण केंद्रों में शामिल हो सकता है। बैठक में डीआरडीई, भारतीय वायु सेना स्टेशन ग्वालियर, टियर स्मोक यूनिट, अडानी डिफेंस, एमआईटीएस ग्वालियर ड्रोन स्कूल, रुस्तमजी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी सहित रक्षा प्रतिष्ठानों, उद्योगों, शैक्षणिक संस्थानों, एमएसएमई और रक्षा विक्रेताओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

निराश्रित गौवंश को पिलाया गुड़-नमक युक्त शीतल जल

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर धर्म, सेवा और लोकमंगल का अनूठा संदेश देते हुए श्रीकृष्णायन संतों की प्रेरणा से शहर के निराश्रित गौवंश के लिए विशेष जल सेवा अभियान चलाया गया। इस दौरान गौमाताओं को एक टैंकर शीतल एवं गुड़-नमक मिश्रित जल उपलब्ध कराया गया। वहीं शहर की विभिन्न धर्मप्रेमी संस्थाओं और गौसेवकों ने अनेक स्थानों पर हजारों जल पात्र एवं पानी की टंकियों की व्यवस्था कर गौवंश को भीषण गर्मी से राहत पहुंचाने का प्रयास किया।श्रीकृष्णायन आदर्श गौशाला के संरक्षण संत स्वामी ऋषभ देवानंद ने कहा कि भीषण गर्मी में निराश्रित गौवंश को शीतल एवं पोषणयुक्त जल उपलब्ध कराना केवल पुण्य का कार्य नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं का भी परिचायक है। उन्होंने कहा कि निर्जला एकादशी केवल उपवास का पर्व नहीं, बल्कि संयम, सेवा, करुणा और लोकमंगल का महापर्व है। स्वामी ऋषभ देवानंद ने बताया कि गुड़ और नमक युक्त शीतल जल गौमाताओं के शरीर में ऊर्जा बनाए रखने के साथ इलेक्ट्रोलाइट संतुलन बनाए रखने में भी सहायक होता है, जिससे गर्मी के दुष्प्रभाव से उन्हें राहत मिलती है। उन्होंने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि वे इस पावन पर्व को केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित न रखें, बल्कि सेवा-पर्व के रूप में मनाते हुए निराश्रित गौमाताओं के लिए शीतल जल, हरा चारा और गौ-भंडारे की व्यवस्था भी करें।

लोक उपयोगी सेवाओं से जुड़े विवादों के समाधान की दी जानकारी

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

आम नागरिकों को लोक उपयोगी सेवाओं से संबंधित विवादों के त्वरित, सुलभ एवं निःशुल्क समाधान की जानकारी देने के उद्देश्य से गुरुवार को जिला न्यायालय परिसर में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में स्थायी लोक अदालत (लोक उपयोगी सेवाएं) की कार्यप्रणाली, अधिकार क्षेत्र तथा इसके माध्यम से मिलने वाली सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में स्थायी लोक अदालत (लोक उपयोगी सेवाएं) के अध्यक्ष एवं प्रथम जिला न्यायाधीश साबिर अहमद ने बताया कि वायु, सड़क एवं जल मार्ग से यात्रियों और माल परिवहन, यातायात सेवाओं, डाक, तार एवं टेलीफोन सेवाओं, विद्युत, प्रकाश एवं जल आपूर्ति तथा सार्वजनिक स्वच्छता व्यवस्था से जुड़े विवादों का त्वरित और प्रभावी निराकरण स्थायी लोक अदालत के माध्यम से किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था आम नागरिकों को लंबी न्यायिक प्रक्रिया से राहत प्रदान करती है और कम समय में समाधान उपलब्ध कराती है। शिविर में वीपीएस चौहान ने भी उपस्थित पक्षकारों को लोक उपयोगी सेवाओं से जुड़े मामलों में स्थायी लोक अदालत का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। वहीं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव पुष्पेन्द्र सिंह ने आमजन से अपील की कि वे किसी भी लोक उपयोगी सेवा से संबंधित समस्या होने पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में आवेदन देकर निःशुल्क एवं त्वरित न्याय प्राप्त कर सकते हैं।

प्रकृति ने मुझे क्या सिखाया पर साझा किए विचार

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

सेंट्रल इंडिया चार्टर्ड अकाउंटेंट्स स्टूडेंट्स एसोसिएशन (सिकासा) ग्वालियर ब्रांच द्वारा चार्टर्ड अकाउंटेंसी के विद्यार्थियों के लिए उत्तराखंड के रमणीय स्थल भीमताल में दो दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों के लिए आठ ज्ञानवर्धक एवं व्यक्तित्व विकास सत्र आयोजित किए गए। तकनीकी सत्रों में ग्वालियर ब्रांच के पूर्व अध्यक्ष सीए राजेंद्र खटवानी ने 'लेखांकन मानक, प्रमुख अवधारणाएं, अनुपालन एवं व्यावहारिक पहलू' तथा 'कराधान के नवीनतम अपडेट एवं भावी चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के लिए व्यावहारिक चुनौतियां' विषयों पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया। वहीं ब्रांच के उपाध्यक्ष सीए पंकज शर्मा ने 'लेखापरीक्षण मानक, व्यावहारिक समझ एवं अनुप्रयोग' तथा 'संबद्ध विधियां' विषय पर विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण 'प्रकृति ने मुझे क्या सिखाया' विषय पर आयोजित खुला संवाद एवं अनुभव साझा सत्र रहा, जिसमें विद्यार्थियों ने प्रकृति से मिली प्रेरणाओं और जीवन मूल्यों पर अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर सिकासा अध्यक्ष सीए नगेन्द्र सिंह कुशवाह, उपाध्यक्ष भूमि अग्रवाल एवं सचिव आशुतोष सिंह तोमर सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अपर आयुक्त ने ली समीक्षा बैठक

स्वच्छता ऐप पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं, शिकायतों का हर हाल में हो निराकरण

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

स्वच्छता ऐप पर लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं होगी। शिकायतों का हर हाल में हो निराकरण किया जाए। यह निर्देश गुरुवार को निगम मुख्यालय में आयोजित स्वच्छ ग्वालियर एवं स्वच्छता ऐप पर प्राप्त शिकायतों की समीक्षा बैठक के दौरान अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव ने अधिकारियों को दिए।

अपर आयुक्त ने स्पष्ट किया कि स्वच्छता ऐप पर दर्ज प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लिया जाए और उसका त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि केवल शिकायत का समाधान ही नहीं, बल्कि संबंधित नागरिक से फीडबैक प्राप्त करना भी अनिवार्य होगा, ताकि शिकायत निवारण प्रणाली की वास्तविक प्रभावशीलता का मूल्यांकन किया जा सके।

बैठक में यह भी सामने आया कि स्वच्छता ऐप पोर्टल पर कुछ तकनीकी समस्याएं आ रही हैं, जिस पर अपर आयुक्त ने कड़ा संज्ञान लेते हुए तत्काल पोर्टल को अपडेट करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतें संबंधित अधिकारियों तक समय पर पहुंचना अत्यंत आवश्यक है, ताकि समाधान में अनावश्यक देरी न हो।इसके साथ ही उन्होंने उन अधिकारियों पर नाराजगी व्यक्त की, जो पोर्टल का नियमित रूप से लॉगिन नहीं कर रहे थे। ऐसे अधिकारियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा गया कि भविष्य में इस प्रकार की लापरवाही किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं की जाएगी। साथ ही उन्होंने स्वच्छ ग्वालियर ऐप के व्यापक प्रचार-प्रसार पर जोर देते हुए कहा कि अधिक से अधिक नागरिकों को इससे जोड़ा जाए, ताकि लोग आसानी से अपनी शिकायतें ऑनलाइन दर्ज कर सकें और उनकी स्थिति की जानकारी भी प्राप्त कर सकें।

जल संचय कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

निगम मुख्यालय में आयोजित जल संचय एवं वर्षा जल संरक्षण संबंधी समीक्षा बैठक के दौरान अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव ने अब तक किए गए कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जल संरक्षण के कार्यों में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अपर आयुक्त ने भवन अधिकारियों से वाटर हार्वेस्टिंग के लिए जारी किए गए नोटिसों पर की गई कार्रवाई की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने के लिए भवन अधिकारियों को ठोस लक्ष्य निर्धारित कर कार्य करना होगा।

एलएनआईपीई बीपीएड प्रवेश परीक्षा में कड़ा मुकाबला

ग्वालियर। लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान (एलएनआईपीई) में चल रही बीपीएड प्रवेश परीक्षा के तहत गुरुवार को खेल कौशल परीक्षण का आयोजन किया गया। इसमें क्रिकेट, तैराकी, खो-खो, हैंडबॉल, जूडो, फुटबॉल, निशानेबाजी, भारोत्तोलन, जिम्नास्टिक और मुक्केबाजी से जुड़े अभ्यर्थियों ने अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। देशभर से आए अभ्यर्थियों की शारीरिक क्षमता, तकनीकी दक्षता और खेल विशेष कौशल का विशेषज्ञों द्वारा मूल्यांकन किया जा रहा है। प्रवेश प्रक्रिया 27 जून तक ग्वालियर और गुवाहाटी केंद्रों पर एक साथ आयोजित की जा रही है। अब तक पहले दिन लगभग 320 और दूसरे दिन 350 अभ्यर्थियों ने पंजीयन कराया है। कुल मिलाकर करीब 2400 अभ्यर्थियों के शामिल होने का अनुमान है।

जरूरतमंदों को निःशुल्क कृत्रिम अंग वितरित

ग्वालियर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ग्वालियर महानगर द्वारा सेवार्थ विद्यार्थी के माध्यम से आयोजित चार दिवसीय दिव्यांग सशक्तिकरण एवं सहायता शिविर का गुरुवार को जीवाजी विश्वविद्यालय स्थित अतिथि विश्रामगृह में समापन हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में दिव्यांगजन, विद्यार्थी एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। समापन समारोह के मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा विभाग ग्वालियर संभाग के अतिरिक्त संचालक डॉ. कुमार रत्नम थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में शासकीय संस्कृत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मनीष खेमरिया एवं महावीर सेवा सदन के डॉ. शशि प्रभाकर मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में शिविर को सफल बनाने वाले चिकित्सकों, तकनीशियनों और विद्यार्थी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया गया।

गणितीय ज्ञान, सफलता की कुंजी

गणित मानव जीवन का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और उपयोगी विषय है, जिसे केवल संख्याओं और सूत्रों का अध्ययन नहीं माना जा सकता, बल्कि यह सोचने, समझने और समस्याओं को हल करने की एक तार्किक कला भी है। हमारे दैनिक जीवन में गणित हर जगह उपयोग होता है, जैसे समय देखना, खरीदारी करना, हिसाब रखना, दूरी मापना और बैंकिंग कार्य करना। गणित के बिना आधुनिक जीवन की कल्पना करना कठिन है। इसी कारण इसे विज्ञान की भाषा कहा जाता है, क्योंकि विज्ञान और तकनीक की सभी शाखाएँ गणित पर आधारित हैं। यह हमें तर्कशक्ति, विश्लेषण क्षमता और सही निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करता है।

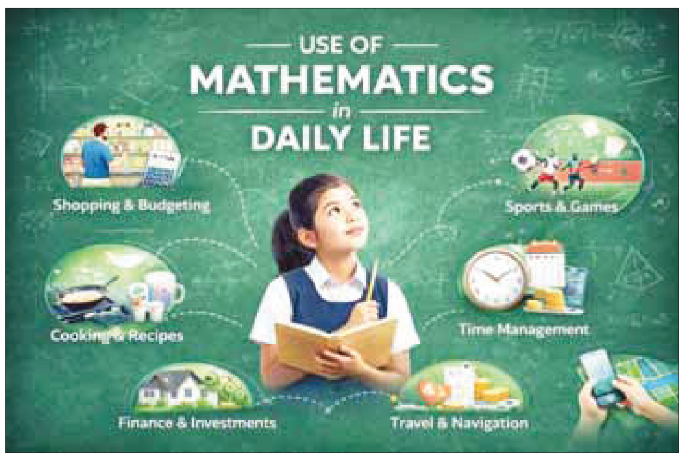

दैनिक जीवन में गणित का महत्व

गणित का उपयोग हमारे दैनिक जीवन में निरंतर होता है। जब हम बाजार से सामान खरीदते हैं, बिल बनाते हैं, छूट की गणना करते हैं या यात्रा का समय और दूरी तय करते हैं, तब गणित ही हमारी सहायता करता है। बैंकिंग, मोबाइल रिचार्ज, ऑनलाइन लेन-देन और माप-तौल जैसे कार्य भी गणित के बिना संभव नहीं हैं। यह हमारे जीवन को व्यवस्थित और सरल बनाता है।

प्राचीन भारत में गणित का योगदान

प्राचीन भारत में गणित का अत्यंत गौरवशाली इतिहास रहा है। महान गणितज्ञ आर्यभट्ट ने शून्य (0) और दशमलव प्रणाली की अवधारणा देकर पूरी दुनिया की गणना प्रणाली को बदल दिया। इसी तरह ब्रह्मगुप्त ने गणित के कई महत्वपूर्ण नियमों और सिद्धांतों का विकास किया। भास्कराचार्य जैसे विद्वानों ने भी गणित को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया। इन महान वैज्ञानिकों का योगदान आज भी विश्व भर में उपयोग किया जाता है।

आधुनिक युग में गणित का महत्व

आज के डिजिटल युग में गणित का महत्व और भी अधिक बढ़ गया है। कंप्यूटर, मोबाइल, इंटरनेट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा साइंस, इंजीनियरिंग और अंतरिक्ष अनुसंधान जैसे सभी क्षेत्रों की नींव गणित पर आधारित है। बिना गणित के आधुनिक तकनीक और विज्ञान की कल्पना करना असंभव है। यह आधुनिक विकास की रीढ़ है।

विद्यार्थियों के लिए गणित का महत्व

गणित विद्यार्थियों के मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह एकाग्रता, धैर्य, अनुशासन और तार्किक सोच को बढ़ाता है। नियमित अभ्यास से स्मरण शक्ति और समस्या समाधान क्षमता मजबूत होती है। जो विद्यार्थी इसे समझकर पढ़ते हैं, उनके लिए यह एक रोचक और सरल विषय बन जाता है।

मोहित अग्रवाल
शिक्षक
आदर्श चिल्ड्रन एकेडमी
गोविंदगंज जबलपुर

मेरे अनुभव: बचपन की नींव संवारते 15 साल

शिक्षण केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का सशक्त संकल्प है। बाबू मनमोहन दास हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी, दीक्षितपुरा में पिछले 15 वर्षों से प्री-प्राइमरी शिक्षिका के रूप में कार्य करते हुए मैंने यह गहराई से अनुभव किया है कि छोटे बच्चों का निर्माण वास्तव में गीली मिट्टी से घड़ा गढ़ने जैसा होता है। इस यात्रा ने मुझे विविध सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमि से आने वाले बच्चों के जीवन को समझने का अवसर दिया, जिसने न केवल उन्हें संवारा, बल्कि मुझे भी एक नया दृष्टिकोण प्रदान किया।

पहली पाठशाला और शिक्षक की भूमिका

प्री-प्राइमरी शिक्षा बच्चों के जीवन की पहली औपचारिक सीढ़ी होती है। यह वह समय होता है जब बच्चा घर की सुरक्षित दुनिया से बाहर निकलकर नए वातावरण में प्रवेश करता है। इस नाजुक अवस्था में एक शिक्षक की भूमिका केवल अक्षर ज्ञान तक सीमित नहीं होती, बल्कि बच्चे के संपूर्ण व्यक्तित्व निर्माण की नींव रखने की होती है। शिक्षण का उद्देश्य केवल मस्तिष्क को भरना नहीं, बल्कि हृदय को स्पर्श करना और हर बच्चे की विशिष्ट प्रतिभा को पहचानना है। बच्चों की स्वाभाविक जिज्ञासा को बनाए रखने के लिए कक्षा का माहौल आनंददायक होना आवश्यक है। इसलिए मैंने सदैव रटने की पद्धति के स्थान पर खेल-आधारित और गतिविधि आधारित शिक्षण को प्राथमिकता दी। कहानियाँ, गीत, और रंगों के माध्यम से सीखना बच्चों की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करता है।

विविधता और व्यक्तिगत दृष्टिकोण

मेरी कक्षा विविधताओं से परिपूर्ण रही है। हर बच्चा अपनी गति, क्षमता और समझ के साथ आता है। समावेशी शिक्षा के सिद्धांत को अपनाते हुए मेरा निरंतर प्रयास रहा है कि प्रत्येक बच्चे की विशेषताओं को पहचानकर उसके अनुसार शिक्षण किया जाए। कुछ बच्चे तेजी से सीखते हैं, तो कुछ को अधिक समय और स्नेह की आवश्यकता होती है। एक सच्चे शिक्षक की पहचान यही है कि वह किसी भी बच्चे को उपेक्षित महसूस न होने दे।

चुनौतियाँ और समाधान

शुरुआती दिनों में छोटे बच्चों को संभालना एक बड़ी चुनौती थी विशेषकर उन बच्चों को जो पहली बार स्कूल आते हैं और रोते हैं। समय के साथ मैंने सीखा कि बच्चों को अनुशासन में लाने के लिए कठोरता नहीं, बल्कि प्रेम, धैर्य और अपनत्व सबसे प्रभावी माध्यम हैं। आज के समय में अभिभावकों की अपेक्षाएँ भी पहले की तुलना में अधिक बढ़ गई हैं। इसे संतुलित करने के लिए नियमित पैरेंट-टीचर मीटिंग्स और खुले संवाद को अपनाया गया, जिससे घर और स्कूल मिलकर बच्चे के विकास में सहयोग कर सकें।

जीवन की वास्तविक कमाई

इन 15 वर्षों ने केवल बच्चों को नहीं, बल्कि मेरे स्वयं के व्यक्तित्व को भी समृद्ध किया है। बच्चों की मासूम मुस्कान और उनका स्नेह हर दिन नई ऊर्जा देता है।

जब मेरे पढ़ाए हुए विद्यार्थी आगे बढ़कर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं और समाज में सम्मान पाते हैं, तो वह मेरे लिए गर्व का क्षण होता है। अभिभावकों और पूर्व छात्रों से मिलने वाला स्नेह ही इस यात्रा की सबसे बड़ी कमाई है। आज भले ही शिक्षा डिजिटल माध्यमों से विकसित हो रही हो, लेकिन एक छोटे बच्चे के भावनात्मक और मानसिक विकास के लिए शिक्षक का स्नेहपूर्ण मार्गदर्शन हमेशा आवश्यक रहेगा। बचपन की मजबूत नींव ही एक उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करती है।

शिवानी दीक्षित
शिक्षक
बाबू मनमोहनदास हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी
दीक्षितपुरा, जबलपुर

नियमित अभ्यास से होंगे गणित में दक्ष

गणित एक ऐसा विषय है जिसे केवल पढ़कर नहीं समझा जा सकता, बल्कि इसे लगातार अभ्यास करके ही सीखा जा सकता है। कई विद्यार्थी गणित को कठिन समझते हैं, लेकिन वास्तव में यह उतना कठिन नहीं है जितना लगता है। सही तरीके और नियमित अभ्यास से गणित सबसे सरल और रोचक विषय बन सकता है। इसलिए कहा जाता है कि नियमित अभ्यास ही गणित की कुंजी है।

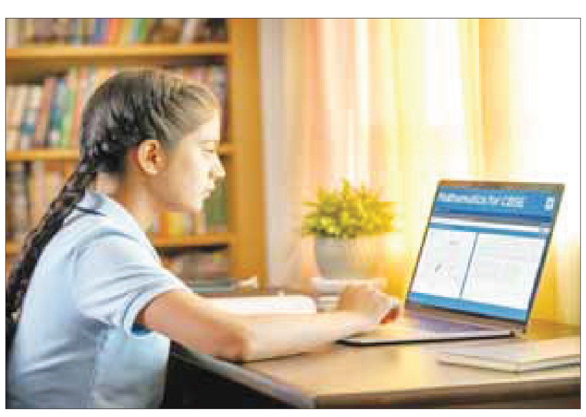

गणित में अभ्यास का महत्व

गणित में सूत्रों, नियमों और विधियों को याद करने के साथ-साथ उन्हें बार-बार हल करना बहुत जरूरी होता है। जब विद्यार्थी नियमित रूप से प्रश्न हल करता है, तो उसकी सोचने और समझने की क्षमता बढ़ती है। अभ्यास से कठिन प्रश्न भी सरल लगने लगते हैं और आत्मविश्वास बढ़ता है। बिना अभ्यास के गणित अधूरा है, क्योंकि इसे केवल पढ़ने से नहीं बल्कि करने से समझा जाता है।

अभ्यास से बढ़ती समझ और गति– लगातार अभ्यास करने से गणना करने की गति तेज होती है और गलतियाँ कम होती हैं। जब विद्यार्थी एक ही प्रकार के प्रश्न कई बार हल करता है, तो उसका दिमाग उस प्रक्रिया को अच्छी तरह समझ लेता है। इससे परीक्षा में समय की बचत होती है और अच्छे अंक प्राप्त करने में मदद मिलती है। अभ्यास से मानसिक क्षमता और तार्किक सोच भी विकसित होती है।

दैनिक अभ्यास की आदत

गणित में सफलता पाने के लिए रोज थोड़ा-थोड़ा अभ्यास करना बहुत जरूरी है। यदि विद्यार्थी रोज कुछ प्रश्न हल करता है, तो धीरे-धीरे उसकी पकड़ मजबूत हो जाती है। कठिन प्रश्नों से डरने के बजाय उनका अभ्यास करना चाहिए, क्योंकि अभ्यास ही डर को दूर करता है। नियमित अभ्यास से गणित एक आसान और पसंदीदा विषय बन सकता है।

अभ्यास और आत्मविश्वास

जब विद्यार्थी अधिक अभ्यास करता है, तो उसका आत्मविश्वास भी बढ़ता है। वह किसी भी प्रश्न को हल करने से डरता नहीं है और अपने उत्तर पर भरोसा करता है। यह आत्मविश्वास परीक्षा में सफलता दिलाने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अभ्यास से विद्यार्थी अपनी कमजोरियों को भी पहचान सकता है और उन्हें सुधार सकता है। गणित में सफलता का सबसे बड़ा रहस्य अभ्यास ही है। यह न केवल ज्ञान बढ़ाता है, बल्कि सोचने, समझने और हल करने की क्षमता को भी मजबूत करता है। इसलिए हर विद्यार्थी को चाहिए कि वह नियमित अभ्यास करे, क्योंकि वास्तव में अभ्यास ही गणित की कुंजी है।

सिर्फ दो भाजक, लेकिन अनगिनत रहस्य, आखिर अभाज्य संख्याएँ इतनी खास क्यों हैं?

2, 3, 5, 7, 11, 13 ये साधारण दिखने वाली संख्याएँ गणित की सबसे अनोखी और रहस्यमयी संख्याओं में गिनी जाती हैं। इन्हें अभाज्य संख्याएँ यानि प्राइम्स नंबर्स कहा जाता है। इनकी विशेषता यह है कि इन्हें केवल 1 और स्वयं उसी संख्या से ही पूरी तरह विभाजित किया जा सकता है। यही सरल-सा नियम इन्हें इतना महत्वपूर्ण बना देता है कि आधुनिक कंप्यूटर, इंटरनेट सुरक्षा, बैंकिंग और वैज्ञानिक अनुसंधान तक इन पर निर्भर हैं। आइए जानते हैं कि अभाज्य संख्याएँ गणित की दुनिया में इतनी खास क्यों मानी जाती हैं।

क्या होती है अभाज्य संख्या ?

ऐसी प्राकृतिक संख्या, जो 1 से बड़ी हो और जिसे केवल 1 तथा स्वयं उसी संख्या से ही विभाजित किया जा सके, अभाज्य संख्या कहलाती है। उदाहरण के लिए 2, 3, 5, 7, 11 और 13 अभाज्य संख्याएँ हैं। जबकि 4, 6, 8, 9 और 10 अभाज्य नहीं हैं क्योंकि इनके दो से अधिक भाजक होते हैं।

2 है सबसे अनोखी अभाज्य संख्या

आपको पता है कि 2 एकमात्र ऐसी अभाज्य संख्या है जो सम (ईवन) है। इसके बाद आने वाली सभी अभाज्य संख्याएँ विषम (ऑड) होती हैं। यही कारण है कि 2 का गणित में विशेष स्थान है।

गणित की बिल्डिंग ब्लॉक

हर 1 से बड़ी पूर्ण संख्या को अभाज्य संख्याओं के गुणनफल के रूप में लिखा जा सकता है। जैसे किसी इमारत की नींव ईंटें होती हैं, वैसे ही संख्याओं की दुनिया की आधारशिला अभाज्य संख्याएँ हैं। इसी कारण इन्हें गणित का बिल्डिंग ब्लॉक कहा जाता है।

इंटरनेट सुरक्षा में सबसे बड़ी भूमिका

जब आप ऑनलाइन बैंकिंग करते हैं, डिजिटल भुगतान करते हैं या किसी वेबसाइट पर सुरक्षित लॉगिन करते हैं, तब आपके डेटा की सुरक्षा के लिए ऐसे एन्क्रिप्शन का उपयोग किया जाता है जो बड़ी अभाज्य संख्याओं पर आधारित होता है। यही कारण है कि अभाज्य संख्याएँ साइबर सुरक्षा की रीढ़ मानी जाती हैं।

क्या अभाज्य संख्याएँ कभी खत्म होंगी?

नहीं। दो हजार वर्ष से भी पहले महान यूनानी गणितज्ञ यूक्लिड ने सिद्ध किया था कि अभाज्य संख्याएँ अनंत हैं। अर्थात, चाहे जितनी बड़ी संख्या तक पहुँच जाएँ, उसके आगे भी कोई न कोई नई अभाज्य संख्या अवश्य मिलेगी। सबसे बड़ी अभाज्य संख्या की खोज जारी है।

लाल-हरी बत्ती से मंजिल तक, हर सफर में साथ चलता है गणित

क्या आपने कभी सोचा है कि ट्रैफिक सिग्नल कब लाल से हरा होता है, मोबाइल में जीपीएस आपको सही रास्ता कैसे बताता है, या ऑनलाइन कैब कुछ ही मिनटों में आपके दरवाजे तक कैसे पहुँच जाती है? इन सभी सुविधाओं के पीछे एक अदृश्य शक्ति काम करती है और वह है गणित। गणित केवल कक्षा में पढ़ाया जाने वाला विषय नहीं, बल्कि हमारी रोजमर्रा की जिंदगी को व्यवस्थित, सुरक्षित और आसान बनाने वाला विज्ञान है। आइए जानते हैं कि ट्रैफिक सिग्नल से लेकर जीपीएस तक गणित किस प्रकार हर पल हमारी मदद करता है।

जीपीएस आपकी स्थिति कैसे पहचानता है?

मोबाइल का जीपीएस पृथ्वी की परिक्रमा कर रहे कई उपग्रहों से संकेत प्राप्त करता है। अलग-अलग उपग्रहों से सिग्नल आने में लगने वाले समय का गणितीय विश्लेषण करके आपकी सटीक स्थिति का पता लगाया जाता है। इसी आधार पर यह सबसे छोटा, तेज़ और सुविधाजनक मार्ग सुझाता है।

ट्रैफिक सिग्नल का समय गणित तय करता है

व्यस्त चौराहों पर ट्रैफिक सिग्नल का समय अनुमान से नहीं, बल्कि गणितीय गणनाओं के आधार पर तय किया जाता है। किसी सड़क पर वाहनों की संख्या, उनकी गति और विभिन्न दिशाओं से आने वाले ट्रैफिक का विश्लेषण करके यह निर्धारित किया जाता है कि किस दिशा में कितनी देर तक हरी बत्ती रहेगी। इससे जाम कम होता है और यातायात सुचारु रहता है।

ऑनलाइन मैप सबसे बेहतर रास्ता कैसे चुनता है?

मैप एप्लिकेशन केवल दूरी नहीं देखते, बल्कि सड़क की स्थिति, ट्रैफिक, यात्रा का समय और वैकल्पिक मार्गों का भी गणितीय विश्लेषण करते हैं। लाखों आँकड़ों की गणना के बाद वे ऐसा रास्ता सुझाते हैं जिससे समय और ईंधन दोनों की बचत हो।

कैब और डिलीवरी सेवाओं का आधार भी गणित

ऑनलाइन टैक्सी और फूड डिलीवरी सेवाएँ दूरी, समय, ट्रैफिक और चालक की उपलब्धता जैसे अनेक कारकों की गणना करके सबसे उपयुक्त वाहन का चयन करती हैं। इसी कारण कुछ ही मिनटों में सेवा उपलब्ध हो जाती है।

भविष्य के स्मार्ट शहरों की नींव

आने वाले समय में चालक रहित वाहन, स्मार्ट सड़कें और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित यातायात व्यवस्था गणित पर और अधिक निर्भर होंगी। सुरक्षित, तेज़ और पर्यावरण-अनुकूल परिवहन प्रणाली का आधार भी गणित ही बनेगा।

स्मार्ट ट्रैफिक सिस्टम भी गणित पर आधारित

आज कई शहरों में स्मार्ट ट्रैफिक सिस्टम लगाए जा रहे हैं। कैमरे और सेंसर वाहनों की संख्या का आकलन करते हैं और गणितीय मॉडल के आधार पर सिग्नल का समय स्वतः बदल देते हैं। इससे अनावश्यक प्रतीक्षा कम होती है और यातायात अधिक व्यवस्थित बनता है।

क्या है गणित सीखने की सही विधि

गणित एक ऐसा विषय है जो जीवन के हर क्षेत्र में उपयोग होता है। कई विद्यार्थी इसे कठिन समझते हैं, लेकिन यदि सही विधि से पढ़ा जाए तो यह सबसे सरल और रोचक विषय बन सकता है। गणित सीखने के लिए केवल रटना नहीं, बल्कि समझना और अभ्यास करना आवश्यक होता है। इसलिए सही विधि अपनाकर गणित को आसानी से सीखा जा सकता है।

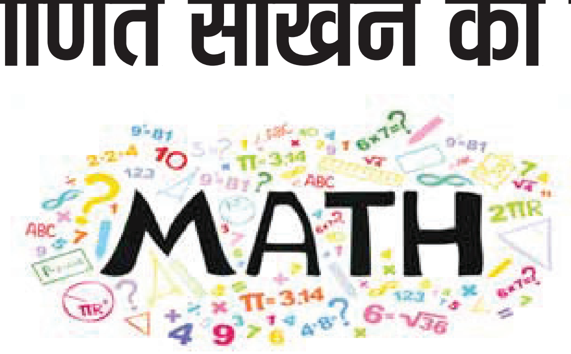

संकल्पना को समझना– गणित सीखने की पहली और सबसे महत्वपूर्ण विधि है अवधारणाओं को अच्छी तरह समझना। जब विद्यार्थी यह समझ लेता है कि कोई सूत्र या नियम क्यों और कैसे काम करता है, तो वह उसे लंबे समय तक याद रख सकता है। बिना समझे रटने से गणित कठिन लगता है और गलतियाँ बढ़ जाती हैं।

नियमित अभ्यास करना– गणित में सफलता का सबसे बड़ा आधार अभ्यास है। जितना अधिक अभ्यास किया जाएगा, उतनी ही अधिक पकड़ मजबूत होगी। सरल प्रश्नों से शुरू करके धीरे-धीरे कठिन प्रश्नों को हल करना चाहिए। नियमित अभ्यास से गति, सटीकता और आत्मविश्वास बढ़ता है।

स्टेप बाय स्टेप हो समाधान– गणित के प्रश्नों को हमेशा चरणबद्ध तरीके से हल करना चाहिए। हर स्टेप को ध्यान से लिखना और समझना जरूरी होता है। इससे न केवल उत्तर सही आता है, बल्कि गलती होने की संभावना भी कम हो जाती है। यह तरीका परीक्षा में समय बचाने में भी मदद करती है।

दैनिक जीवन से जोड़ना– गणित को दैनिक जीवन से जोड़कर पढ़ना बहुत उपयोगी होता है। जैसे खरीदारी, समय, दूरी और बैंकिंग के उदाहरणों से गणित को समझना आसान हो जाता है। इससे विषय अधिक रोचक और व्यावहारिक बन जाता है।

गणित से जुड़े रोचक तथ्य

- 1 न तो अभाज्य संख्या है और न ही संयुक्त संख्या।
- किसी भी संख्या का वर्ग कभी ऋणात्मक नहीं होता।
- 360 डिग्री का वृत्त इसलिए चुना गया क्योंकि यह संख्या 24 अलग-अलग संख्याओं से विभाजित हो जाती है।
- 7 को दुनिया की सबसे लोकप्रिय संख्याओं में से मानी जाती है।
- 1001 को 7, 11 और 13 तीनों से पूरी तरह विभाजित किया जा सकता है।
- किसी भी संख्या को 1 से गुणा करने पर उसका मान नहीं बदलता।
- किसी भी संख्या को स्वयं से (शून्य को छोड़कर) भाग देने पर उत्तर 1 आता है।
- 12345679 एक अनोखी संख्या है। इसे 9, 18, 27, 36... से गुणा करने पर उत्तर में एक ही अंक बार-बार आता है।
- किसी त्रिभुज के तीनों कोणों का योग हमेशा 180 डिग्री होता है।
- किसी चतुर्भुज के चारों कोणों का योग 360 डिग्री होता है।
- किसी वृत्त का सबसे बड़ा जीवा उसका व्यास होता है।
- किसी संख्या के अंत में शून्य जोड़ने से उसका मान 10 गुना हो जाता है।

ब्राजील फुटबॉल विश्व कप के नॉकआउट में

स्कॉटलैंड को 3-0 से हराया, विनीसियस ने डबल गोल किए, नेमार भी मैदान पर उतरे

एजेंसी, मियामी गार्डन्स

5 बार की वर्ल्ड चैंपियन ब्राजील ने फुटबॉल वर्ल्ड कप के नॉकआउट राउंड में प्रवेश कर लिया है। उसने गुरुवार सुबह ग्रुप-सी के मैच में स्कॉटलैंड को 3-0 से हराया। मियामी स्टेडियम में ब्राजील की ओर से विनीसियस जूनियर ने दो गोल किए। जबकि एक गोल मैथियस कुन्हा ने दागा। स्कॉटलैंड 1998 के बाद पहली बार वर्ल्ड कप में खेल रहा है, लेकिन टीम एक बार फिर ग्रुप चरण से आगे बढ़ने में नाकाम रही। टूर्नामेंट के इतिहास में यह नौवीं बार है, जब स्कॉटलैंड ग्रुप चरण पार नहीं कर सका। वहीं, ब्राजील दूसरी जीत के साथ 7 अंक लेकर ग्रुप-सी के टॉप पर है।

नेमार ने चोट से वापसी की, मैदान पर भावुक हुए

ब्राजील के स्टार खिलाड़ी नेमार ने 76वें मिनट में मैदान पर उतरकर चोट के बाद वापसी की। दाएं पिंडली की समस्या के कारण वह टीम के शुरुआती दो मुकाबलों में नहीं खेल पाए थे। स्टेडियम में मौजूद ब्राजीलियाई प्रशंसकों ने उनकी वापसी का जोरदार स्वागत किया।

विनीसियस ने फर्स्ट हाफ में दोनों गोल किए

विनीसियस ने मैच के 7वें मिनट में गोल कर ब्राजील को शुरुआती बढ़त दिलाई। उन्होंने हाफ टाइम से ठीक पहले दूसरा गोल भी दागा। कुन्हा ने भी हाफ टाइम से ठीक स्कोरशीट में नाम दर्ज कराया। विनीसियस अब टूर्नामेंट में चार गोल कर चुके हैं और गोल्डन बूट की दौड़ में फ्रांस के किलियन एम्बाप्पे की बराबरी पर पहुंच गए हैं। दोनों के चार-चार गोल हैं, जबकि अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी पांच गोल के साथ टॉप पर हैं।

मोरक्को ने हैती को हराकार राउंड ऑफ 32 में जगह बनाई

एजेंसी, अटलांटा

ग्रुप-सी के आखिरी मैच में मोरक्को ने हैती को 4-2 से हराया। इस जीत से टीम राउंड ऑफ-32 में पहुंच गई। अटलांटा स्टेडियम में मोरक्को दो बार पिछड़ा, लेकिन हार नहीं मानी और वापसी करते हुए जीत हासिल की। मोरक्को के लिए सूफियान रहीमी ने 78वें मिनट में डिफ्लेक्टेड शॉट के जरिए टीम को 3-2 की बढ़त दिलाई। इसके बाद 89वें मिनट में गेसीम यासीन ने गोल कर जीत पर मुहर लगा दी। हैती ने मैच में दो बार बढ़त की। लेकिन, उसे बनाए नहीं रख सकी। 52 साल बाद वर्ल्ड कप खेलने उतरी हैती की टीम टूर्नामेंट में अपना पहला अंक हासिल करने में भी सफल नहीं हो सकी। उसका वर्ल्ड कप अभियान ग्रुप चरण में ही समाप्त हो गया।

मैक्सिको ने पहली बार ग्रुप स्टेज के तीनों मैच जीते

एजेंसी, मैक्सिको

मेजबान मैक्सिको ने चेक गणराज्य को 3-0 से हराकर ग्रुप-ए में 100% जीत के साथ टॉप पोजिशन हासिल की। टीम ने पहली बार ग्रुप स्टेज के तीनों मैच जीते हैं। टीम ने 1986 और 2002 वर्ल्ड कप में दो मैच जीते थे और एक ड्रॉ रहा था। मैक्सिको सिटी स्टेडियम में खेले गए मैच के दूसरे हाफ में मातेओ चावेज और जूलियन क्विन्योनेस ने छह मिनट के अंदर गोल दागकर टीम को मजबूत बढ़त दिलाई। फिर इंजुरी टाइम में अल्वारो फिडाल्गो ने तीसरा गोल कर जीत दिला दी। पहला वर्ल्ड कप खेल रहे 22 साल के मातेओ चावेज ने 55वें मिनट में गोल कर मैक्सिको का खाता खोला। फिर जूलियन क्विन्योनेस ने 61वें मिनट में दूसरा गोल दागकर स्कोर 2-0 कर दिया। निर्धारित समय समाप्त होने के बाद फिडाल्गो ने तीसरा गोल कर चेक गणराज्य की वापसी की उम्मीदें खत्म कर दीं।

साउथ अफ्रीका पहली बार फुटबॉल विश्व कप के नॉकआउट में, कोरिया को 1-0 से हराया

एजेंसी, मॉन्टेरी

साउथ अफ्रीका ने फुटबॉल वर्ल्ड कप के नॉकआउट में प्रवेश कर लिया है। टीम ने गुरुवार को ग्रुप-ए के मैच में साउथ कोरिया को 1-0 से हराया। साउथ अफ्रीका पहली बार फुटबॉल वर्ल्ड कप के नॉकआउट स्टेज में पहुंची है। मॉन्टेरी स्टेडियम में थापेलो मासेको ने 63वें मिनट में गोल दागा, जोकि निर्णायक गोल साबित हुआ। मुकाबले का पहला हाफ गोल रहित रहा। ग्रुप-ए के एक अन्य मैच में मैक्सिको ने चेक रिपब्लिक को 3-0 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। साउथ अफ्रीका ने अटैकिंग शुरुआत की। साउथ कोरिया के डिफेंडर ली गिह्युक ने मैच की शुरुआत में मासेको का एक तेज अटैक रोक दिया। इसके बाद थालेंटे म्बाथा और एविडेंस मकगोपा के प्रयासों को गोलकीपर किम स्युंगग्यु ने नाकाम किया।

अफ्रीकी डिफेंस को भेद नहीं सका कोरिया

गोल खाने के बाद साउथ कोरिया ने बराबरी के लिए कई प्रयास किए, लेकिन साउथ अफ्रीका की डिफेंस लाइन को भेद नहीं सकी। आखिरकार साउथ अफ्रीका ने 1-0 की जीत दर्ज करते हुए नॉकआउट चरण में जगह पक्की कर ली।

कोरिया ने रणनीति बदली, फायदा अफ्रीका को हुआ

दूसरे हाफ में साउथ कोरिया के कोच हांग म्युंग-बो ने आक्रामक रणनीति अपनाते हुए 3 बदलाव किए। इनमें स्टार खिलाड़ी सोन ह्युंग-मिन को भी मैदान पर उतारा गया। कोरिया लगातार दबाव बना रहा था, लेकिन निर्णायक क्षण दक्षिण अफ्रीका के हिस्से आया। 63वें मिनट में तेशपांग मोरेमी ने बाएं फ्लैंक से शानदार रन बनाते हुए पेनल्टी बॉक्स के किनारे पास दिया।

महिला विश्वकप में सेमीफाइनल की उम्मीदें कायम

भारत ने बांग्लादेश को 5 विकेट से हराया

एजेंसी, मैनचेस्टर

भारत ने महिला टी20 विश्व कप 2026 में शेफाली वर्मा के तेज अर्धशतक और राधा यादव की शानदार गेंदबाजी के दम पर बांग्लादेश को पांच विकेट से हराकर सेमीफाइनल की उम्मीदें कायम रखीं। वहीं, युवा स्पिनर श्री चरणी ने टूर्नामेंट में 12 विकेट पूरे कर महिला टी20 विश्व कप के एक संस्करण में भारत की सबसे सफल गेंदबाज बनने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। भारत ने महिला टी20 विश्व कप 2026 में अपनी सेमीफाइनल की उम्मीदों को जीवित रखते हुए गुरुवार को ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर खेले गए मैच में बांग्लादेश को पांच विकेट से हरा दिया। शैफाली वर्मा के तेजतर्रार अर्धशतक और गेंदबाजों के अनुशासित प्रदर्शन की बदौलत भारतीय टीम ने 137 रन के लक्ष्य को 16.5 ओवर में पांच विकेट खोकर हासिल कर लिया। इससे पहले भारत ने बांग्लादेश को 20 ओवर में 136/8 के स्कोर पर रोक दिया। हालांकि भारतीय टीम की फील्डिंग एक बार फिर सवालों के घेरे में रही और खिलाड़ियों ने चार कैच छोड़े, लेकिन गेंदबाजों ने विपक्षी बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया।

शेफाली की विस्फोटक बल्लेबाजी से आसान हुई राह

137 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को सलामी बल्लेबाज शैफाली वर्मा ने तेज शुरुआत दिलाई। उन्होंने केवल 34 गेंदों में 53 रन की शानदार पारी खेली और बांग्लादेशी गेंदबाजों पर लगातार दबाव बनाए रखा। शेफाली के अर्धशतक ने भारत की जीत की नींव रखी, जिसके बाद मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने लक्ष्य तक पहुंचने में कोई बड़ी परेशानी नहीं होने दी। भारत ने 16 .5 ओवर में पांच विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

श्री चरणी ने रचा इतिहास

मैच के दौरान भारतीय युवा स्पिनर श्री चरणी ने एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली। 21 वर्षीय बाएं हाथ की स्पिनर महिला टी20 विश्व कप के एक संस्करण में भारत की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज बन गईं। चरणी ने बांग्लादेश की पारी के अंतिम ओवर में शोरना अख्तर का विकेट लेकर टूर्नामेंट में अपना 11वां विकेट हासिल किया और पूनम यादव का रिकॉर्ड तोड़ दिया। पूनम ने 2020 विश्व कप में 10 विकेट लिए थे। चरणी ने उसी ओवर में एक और विकेट लेकर अपने विकेटों की संख्या 12 तक पहुंचा दी। इसके साथ ही वह महिला टी20 विश्व कप के एक संस्करण में भारत की सबसे सफल गेंदबाज बन गईं। चरणी का शानदार प्रदर्शन पूरे टूर्नामेंट में जारी है। वह इससे पहले नीदरलैंड्स के खिलाफ चार विकेट और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन विकेट लेकर सुर्खियों में आई थीं। हाल ही में वह आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजी रैंकिंग में भी नंबर-1 स्थान पर पहुंची हैं।

महिला टी 20 विश्वकप: इंग्लैंड सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम

एजेंसी, लंदन

इंग्लैंड विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है। उसने बुधवार देर रात वेस्टइंडीज को 38 रन से हराया। मैच में विंडीज कप्तान हेली मैथ्यूज के कैच आउट पर विवाद हुआ। द लॉर्ड्स स्टेडियम में विंडीज ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। इंग्लैंड ने पहले बैटिंग करते हुए 186 रन बनाए। 187 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी वेस्टइंडीज 20 ओवर में 5 विकेट पर 148 रन ही बना सकी। अर्धशतक लगाने वाली डैनी व्याट-हॉज प्लेयर ऑफ द मैच रहीं।

व्याट-हॉज की फिफ्टी, नाइट के साथ पारी संभाली

इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही। एमी जोन्स 1 और सोफिया डंकली 11 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद डैनी व्याट-हॉज ने एलिस कैपसी (26) के साथ इंग्लिश पारी को संभाला। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 65 रन जोड़े। व्याट-हॉज ने 42 गेंद पर 65 रन बनाए। हॉज के बाद कप्तान हीथर नाइट ने 43 रन बनाकर टीम को 7 विकेट पर 186 रन तक पहुंचाया। इस पारी के साथ व्याट-हॉज टूर्नामेंट की टॉप स्कोरर बन गई हैं।

वेस्टइंडीज को 38 रन से हराया

यूएस ओपन बैडमिंटन

तन्वी शर्मा और किदांबी श्रीकांत ने जीत के साथ किया आगाज

एजेंसी, फुलर्टन

विश्व जूनियर चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता तन्वी शर्मा और थाईलैंड मास्टर्स चैंपियन देविका सिहाग ने गुरुवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए यूएस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट 2026 के महिला एकल वर्ग में विजयी शुरुआत की। तन्वी शर्मा ने जर्मनी की यवोन ली को 23-21, 21-16 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। वहीं देविका सिहाग ने पेरू की इनेस लूसिया कास्टिलो को सीधे गेमों में 21-14, 21-14 से पराजित किया। पुरुष एकल वर्ग में भारतीय खिलाड़ियों के बीच हुए मुकाबले में उभरते शटलर रौनक चौहान ने पूर्व विश्व जूनियर चैंपियनशिप रजत पदक विजेता एस. शंकर मुथुसामी को 23-21, 21-16 से हराकर अगले दौर का टिकट कटाया।

क्रिकेट

एमपीएल के सेमीफाइनल की भेंट चढ़ा, लीग में शानदार प्रदर्शन का निमाड़ को फायदा

रॉयल निमाड़ ईगल्स ने बनाई एमपीएल 2026 फाइनल में जगह

खेल संवाददाता, इंदौर

मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग 2026 के पहले सेमीफाइनल में रॉयल निमाड़ ईगल्स और रीवा जैगुआर्स के बीच गुरुवार को होलकर स्टेडियम, इंदौर में खेला गया मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया। लगातार बारिश के कारण मैच का परिणाम नहीं निकल सका, लेकिन लीग चरण में बेहतर प्रदर्शन और ऊंची रैंकिंग के आधार पर रॉयल निमाड़ ईगल्स ने फाइनल में प्रवेश कर लिया। रीवा जैगुआर्स की पारी 7.2 ओवर में 4 विकेट पर 41 रन तक पहुंची थी, तभी बारिश ने खेल रोक दिया और अंततः मुकाबले को "नो रिजल्ट" घोषित करना पड़ा। टॉस जीतकर रॉयल निमाड़ ईगल्स ने पहले गेंदबाजी का फैसला किया और उसके गेंदबाजों ने शुरुआत से ही रीवा जैगुआर्स पर दबाव बनाए रखा। रीवा को पहला झटका 2 रन पर लगा, जब अक्षत रघुवंशी बिना खाता खोले आउट हो गए। इसके बाद मोहम्मद अरहम आकिल 9 रन और अनंत वर्मा बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। रीवा की ओर से कप्तान पृथ्वीराज सिंह तोमर ने 22 गेंदों में 25 रन बनाकर संघर्ष किया, लेकिन 7.2 ओवर में उनके आउट होते ही बारिश ने मैच पर पूरी तरह विराम लगा दिया। उस समय सागर सोलंकी 5 रन बनाकर नाबाद थे। रॉयल निमाड़ ईगल्स की ओर से गेंदबाजी में कुमार कार्तिकेय सबसे प्रभावशाली रहे। उन्होंने 2 ओवर में सिर्फ 5 रन देकर 2 विकेट झटके। इसके अलावा परुष मंडल और धर्मेश पटेल ने 1-1 विकेट हासिल किया। ईगल्स के गेंदबाजों ने नई गेंद से सटीक लाइन-लेंथ के साथ रीवा के बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया और मैच पर अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखी। रॉयल निमाड़ ईगल्स ने लीग चरण में शानदार प्रदर्शन करते हुए 9 मैचों में 7 जीत के साथ 15 अंक अर्जित किए और अंकतालिका में दूसरा स्थान हासिल किया था, जबकि रीवा जैगुआर्स 11 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रही। इसी बेहतर लीग प्रदर्शन के चलते बारिश से बाधित सेमीफाइनल का फैसला रॉयल निमाड़ ईगल्स के पक्ष में गया और टीम ने टूर्नामेंट के फाइनल में जगह पक्की कर ली।

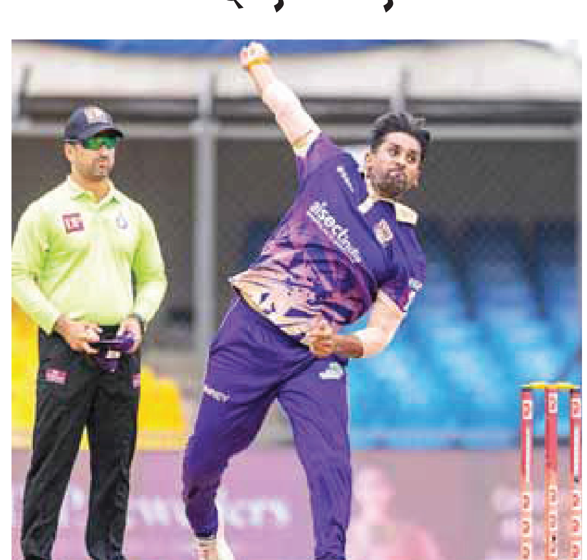

जतिन सक्सेना और विजय मंगरानी ने इंग्लैंड दौरे पर लहराया परचम

भारतीय टीम के लिए रहा शानदार प्रदर्शन

खेल संवाददाता, भोपाल

भारतीय स्टेट बैंक , भोपाल सर्कल के लिए यह अत्यंत गौरव और हर्ष का क्षण है कि बैंक के दो उत्कृष्ट खिलाड़ियों -जतिन सहाय सक्सेना एवं विजय मंगरानी (वरिष्ठ सहायक, - ने यूनाइटेड किंगडम (इंग्लैंड) में आयोजित प्रतिष्ठित 'इंडिया 40s वेटरन्स क्रिकेट टूर' में ऐतिहासिक प्रदर्शन कर देश और बैंक का नाम वैश्विक स्तर पर रोशन किया है। वेटरन्स प्रो क्रिकेट इंटरनेशनल द्वारा गठित 'इंडिया ओवर 40s क्रिकेट टीम' का यह प्रतिष्ठित दौरा हाल ही में संपन्न हुआ है, जिसमें भारतीय टीम ने इंग्लैंड एवं वेल्स की ओवर-40 क्रिकेट टीमों के विरुद्ध श्रृंखला खेली। इस बेहद रोमांचक और कड़े मुकाबले वाली श्रृंखला में भारतीय टीम का प्रदर्शन संतुलित रहा।

इन दो खिलाड़ियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही

जतिन सहाय सक्सेना : जतिन ने टूर्नामेंट में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी का परिचय देते हुए कुल 151 रन बनाए, जिसमें उनका व्यक्तिगत सर्वाधिक स्कोर 86 रन रहा। साझेदारी निभाने में भी उनका दबदबा रहा; टूर्नामेंट की शीर्ष तीन साझेदारियों में से तीनों में जतिन का नाम शामिल है।

विजय मंगरानी : विजय ने अपनी धारदार और कसी हुई गेंदबाजी के जरिए विरोधी टीम के बल्लेबाजों को घुटने टेकने पर मजबूर किया। उन्होंने टूर्नामेंट में कुल 8 विकेट अपने नाम किए और टूर्नामेंट में सबसे बेहतरीन इकॉनमी रेट के साथ गेंदबाजी का प्रदर्शन किया।

बैंक परिवार में हर्ष का माहौल : एक ही संस्थान के दो खिलाड़ियों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मंच पर इस तरह का उत्कृष्ट प्रदर्शन करना न केवल उनकी अद्वितीय प्रतिभा, कड़े अनुशासन और वर्षों के कड़े परिश्रम का परिणाम है, बल्कि यह भारतीय स्टेट बैंक, भोपाल सर्कल की खेल प्रतिभाओं को लगातार प्रोत्साहित करने की सशक्त परंपरा को भी दर्शाता है।

ईडी के छापे में दो संस्थानों से करोड़ों रुपए की संपत्ति की जब्त

भोपाल (नगर संवाददाता)

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भोपाल सक्मेत प्रदेश में दो अलग-अलग संस्थानों और कंपनियों के ठिकानों पर की गई छापेमारी में करोड़ों रुपए की चल-अचल संपत्ति जब्त की है।

एक कार्रवाई रीवा और जबलपुर में सड़क निर्माण कार्यों में फर्जी बिल पेश कर सरकारी धन के दुरुपयोग से जुड़े मनी लॉड्रिंग मामले में की गई जिसमें 55.60 करोड़ रुपए के फर्जी बिल लगाकर सरकारी भुगतान लिया गया, जबकि दूसरा एक्शन भोपाल की एक एजुकेशन सोसायटी से जुड़े वित्तीय घोटाले में किया गया जहां 12 ठिकानों पर सर्चिंग के बाद 3.97 करोड़ रुपए नकद जब्त किए गए हैं।

ईडी ने कहा है कि 19 जून को रीवा और जबलपुर जिलों में विभिन्न परिसरों में सर्चिंग की गई।

यह कार्रवाई सड़क निर्माण कार्यों में बिटुमिन से संबंधित फर्जी बिल पेश कर सरकारी भुगतान लेने के मामले में की गई। यह सर्चिंग मध्य प्रदेश की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) रीवा एवं जबलपुर द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर पीएमएलए 2002 के अंतर्गत की गई।

ठेकेदार केके सोहगौरा और सहयोगियों के यहां सर्चिंग के दौरान ईडी की जांच में सामने आया कि ठेकेदारों ने मध्य प्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण (एमपीआर आरडीए) की परियोजनाओं में अधिकारियों और कर्मचारियों से मिलीभगत कर सड़क निर्माण में उपयोग किए जाने वाले बिटुमिन, अस्फाल्ट कार्यों के नाम पर फर्जी दस्तावेजों के जरिए भुगतान पाया। इसके लिए आईओसीएल , बीपीसीएल और एचपीसीएल के नाम से जाली और मनगढ़ंत चालान बनाकर पेश किए गए।

55.60 करोड़ के फर्जी बिल लगाने का खुलासा

जांच में पाया कि करीब 55.60 करोड़ रुपए के फर्जी बिल लगाकर सरकारी धन का अवैध भुगतान प्राप्त किया गया, जिससे सरकारी राजकोष को भारी वित्तीय नुकसान हुआ। तलाशी में संपत्ति संबंधी दस्तावेज, डिजिटल उपकरण और 23.50 लाख रुपए नकद बरामद किए गए। इसके अलावा 2.93 करोड़ रुपए की बैंक शेष राशि और सावधि जमा (एफडी) का भी पता लगाकर फ्रीज किया गया है।

एजुकेशन सोसायटी के 12 ठिकानों में सर्चिंग

वहीं राजधानी में 23 जून को की गई छापेमारी में एक एजुकेशन सोसायटी से जुड़ी संस्था में करीब 4 करोड़ रुपए नकद जब्त किए गए। ईडी ने कहा है कि एजुकेशन सोसायटी से जुड़े आरोपियों और संस्थाओं के 12 परिसरों पर सर्चिंग की गई। सर्चिंग आवासीय परिसरों, दफ्तरों, शैक्षणिक संस्थानों, ट्रस्टों और ग्रुप से जुड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में की गई। ईडी ने यह जांच ईओडब्ल्यू भोपाल द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर शुरू की। जांच में सामने आया कि यह सोसायटी जो कई शैक्षणिक और स्वास्थ्य संस्थानों का संचालन करती है। इसके द्वारा छात्रों से वसूली गई फीस, छात्रवृत्ति अनुदान और बैंकों से लिए गए ऋण की रकम को संबंधित ट्रस्टों, कंपनियों और आरोपियों के नियंत्रण वाली अन्य संस्थाओं में डायवर्ट किया गया। ईडी के मुताबिक सर्चिंग के दौरान भारी मात्रा में आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुई। विभिन्न परिसरों से करीब 3.97 करोड़ रुपए नकद, मोबाइल फोन, डिजिटल डिवाइस, ERP और Tall 4 डेटा, वित्तीय रिकॉर्ड और संपत्ति से जुड़े दस्तावेज जब्त किए गए। इसके अलावा 3.45 करोड़ रुपए मूल्य के सोने के आभूषण भी बरामद किए गए हैं।

पुलिस सैलरी पैकेज योजना कठिन समय में पुलिस परिवारों का सशक्त सहारा

मध्यप्रदेश पुलिस हर परिस्थिति में साथ

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा अपने अधिकारियों एवं कर्मचारियों के कल्याण हेतु संचालित योजनाएं कठिन परिस्थितियों में पुलिस परिवारों के लिए सशक्त सहारा बनकर सामने आ रही हैं। इसी क्रम में मंडला में दिवंगत पुलिसकर्मी के परिजन को भारतीय स्टेट बैंक की पुलिस सैलरी पैकेज योजना के अंतर्गत एक करोड़ रुपए की बीमा सहायता राशि प्रदान की गई है।35वीं वाहिनी मंडला में पदस्थ स्वर्गीय कार्यवाहक प्रधान आरक्षक श्री मुकेश बंसकार का सर्पदंश के कारण निधन हो जाने पर उनका वेतन खाता भारतीय स्टेट बैंक शाखा मंडला में पुलिस सैलरी पैकेज योजना से संबद्ध होने के कारण उनके नामांकित उत्तराधिकारी उनकी पत्नी श्रीमती रजनी बंसकार को दुर्घटनावश मृत्यु बीमा के रूप में 1 करोड़ रुपए की सहायता राशि प्रदान की गई। सेनानी 35वीं वाहिनी मंडला श्री राजेश रघुवंशी द्वारा परिजनों को उक्त राशि का चेक सौंपा गया।

खरीदारी करने गई महिला की चुरा ली सोने की चेन

भोपाल (नगर संवाददाता)

दो तोला वजनी थी चेन, प्रकरण दर्ज

अयोध्या नगर स्थित मंगल मार्केट में खरीदारी करने पहुंची एक महिला की सोने की चेन चोरी का शिकार हो गई। एमआईजी जे सेक्टर अयोध्यानगर निवासी प्रतिमा मिश्रा (45) मंगलवार शाम करीब 7.30 बजे अपने बेटे आदर्श के साथ मंगल मार्केट में सब्जी खरीदने गई थी। उस समय बाजार में काफी भीड़ थी। प्रतिमा मिश्रा ने बताया कि खरीदारी के दौरान तीन-चार महिलाओं ने उन्हें धक्का दिया। भीड़भाड़ के कारण उन्होंने उस समय इस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया। कुछ दूरी पर पहुंचने के बाद जब उन्होंने अपने गले की ओर देखा तो उनकी सोने की चेन गायब थी।

चेन करीब दो तोला वजनी बताई गई है, जिसमें ओम का लॉकेट भी लगा हुआ था। महिला को आशंका है कि धक्का-मुक्की के दौरान किसी अज्ञात महिला ने उनके गले से चेन पार कर दी। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने अज्ञात महिला चोर के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है।

अवैध कालोनियों पर भी एक्शन

10 लेन सड़क प्रोजेक्ट में आड़े आ रहे दर्जनों पक्के निर्माण पर चली जेसीबी

भोपाल (नगर संवाददाता)

राजधानी के 10 लेन सड़क प्रोजेक्ट में आड़े आ रहे पक्के निर्माणों पर गुरुवार को जेसीबी चली। इस दौरान दर्जन भर पक्के निर्माण तोड़े गए। इसके अलावा अवैध कालोनियों पर भी एक्शन हुआ। बरखेड़ा नाथू, कलखेड़ा और बिलखिरिया में अवैध कॉलोनियों को लेकर कार्रवाई हुई।

हुजूर एसडीएम विनोद सोनकिया ने बताया कि नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) की टीम के साथ ग्राम बिलखरिया कलां में सड़क अधिग्रहण में आने वाले अतिक्रमण पर कार्रवाई की गई है। कार्रवाई से पहले संबंधित लोगों को नोटिस भी दिए गए थे। इसके इलावा हुजूर अनुभाग क्षेत्र में अवैध कॉलोनियों को लेकर लगातार कार्रवाई की जा रही है।

10 दिन के भीतर चार बड़ी कार्रवाई की जा चुकी है। पांचवी कार्रवाई गुरूवार को हुई।संयुक्त टीम ने बिलखिरिया, बरखेड़ा नाथू और कलखेड़ा में पहुचंकर बाउंड्रीवाल और गेट तोड़े। यहां पर बिना अनुमति के कॉलोनी विकसित की जा रही थी। प्रशासन ने संबंधित कॉलोनाइजरों को सख्त हिदायत दी गई है कि वे आगे से बिना अनुमति के कॉलोनी विकसित न करें। अधिकारियों का कहना है कि पूर्व में भी कई कालोनाइजर पर एफआईआर दर्ज कराई जा चुकी है। अवैध कालोनियों को लेकर कालोनी सेल में भी शिकायतें आ रही है। इन शिकायतों को गंभीरता से लेकर संबंधित क्षेत्र में जेसीबी की मदद से लगातार निर्माण तोड़े जा रहे है।

कानपुर-मदुरै विशेष ट्रेन भोपाल होकर गुजरेगी

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल,इटारसी,बीना के यात्रियों को लाभ

रेलवे प्रशासन द्वारा कानपुर सेंट्रल एवं मदुरै के मध्य विशेष रेलगाड़ी संख्या 01925/01926 का संचालन का निर्णय लिया है। इसके संचालन से उत्तर भारत के ऐतिहासिक एवं धार्मिक नगर कानपुर तथा दक्षिण भारत के प्रसिद्ध मंदिर नगरी मदुरै के बीच सीधी रेल कनेक्टिविटी उपलब्ध होगी। साथ ही पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल के बीना, भोपाल एवं इटारसी स्टेशनों के यात्रियों को भी इस विशेष रेलगाड़ी का लाभ मिलेगा। गाड़ी प्रत्येक बुधवार को 1 जुलाई से 29 जुलाई तक कुल 5 फेरों के लिए कानपुर सेंट्रल से सुबह 8:10 बजे प्रस्थान करेगी। यह गाड़ी बीना (15:40 बजे), भोपाल (17:20 बजे) एवं इटारसी (19:25 बजे) ठहराव लेते हुए मदुरै पहुंचेगी। वहीं मदुरै से शनिवार को 04 जुलाई से 01 अगस्त तक कुल पांच फेरों के लिए मदुरै से प्रस्थान करेगी। वापसी दिशा में यह गाड़ी इटारसी (15:05 बजे), भोपाल (17:05 बजे), बीना (20:25 बजे) एवं ललितपुर (21:13 बजे) ठहराव लेते हुए कानपुर सेंट्रल पहुंचेगी।

नाबालिगों में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर प्रशासन सख्त, दो महीने तक लागू रहेगा आदेश

सकारात्मक कदम : राजधानी में धूम्रपान से जुड़ी विभिन्न वस्तुओं की बिक्री पर

भोपाल (नगर संवाददाता)

राजधानी में युवाओं और नाबालिगों के बीच बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। पुलिस आयुक्त संजय कुमार ने शहर में लपेटने वाला कागज, गोगो धूम्रपान कोन और तैयार सिगरेट पैकेट की बिक्री पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है। प्रशासन का कहना है कि इन उत्पादों का इस्तेमाल चरस, गांजा और अन्य मादक पदार्थों के सेवन में तेजी से बढ़ रहा है, जिससे युवाओं में नशे की लत और उससे जुड़ी आपराधिक गतिविधियां बढ़ रही हैं।

पुलिस प्रशासन को सोशल मीडिया, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों से लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि शहर में पान, किराना और चाय की दुकानों पर ये उत्पाद आसानी से उपलब्ध हैं। इनका प्रचार इस तरह किया जा रहा था कि युवाओं में यह भ्रम पैदा हो रहा था कि इनका उपयोग अपेक्षाकृत सुरक्षित है।

स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा

पुलिस मुख्यालय के आदेश अनुसार रोलिंग पेपर और संबंधित उत्पादों में ट्राइएथिलीन ग्लाइकोल, पोटैशियम नाइट्रेट, डाइऑक्सिन डाई, कैल्शियम कार्बोनेट और क्लोरीन ब्लीच जैसे रसायन पाए जाते हैं। ये फेफड़ों और श्वसन तंत्र पर गंभीर दुष्प्रभाव डाल सकते हैं तथा लंबे समय तक उपयोग से स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याएं पैदा कर सकते हैं।

इन दुकानों पर पूरी तरह रोक

जारी आदेश के अनुसार भोपाल नगर क्षेत्र में पान की दुकान, किराना एवं परचून की दुकान, चाय की दुकान तथा अन्य सार्वजनिक बिक्री केंद्रों पर रोलिंग पेपर, गोगो स्मोकिंग कोन और पैकेट रोल की बिक्री पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। प्रशासन का मानना है कि इनकी आसान उपलब्धता के कारण नाबालिगों तक इनकी पहुंच बढ़ रही थी।

तत्काल प्रभाव से लागू हुआ आदेश

यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 163(2) के तहत जनहित में तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है। समयाभाव और सार्वजनिक हित को देखते हुए इसे एकपक्षीय आदेश के रूप में जारी किया गया है। हालांकि, कोई भी व्यक्ति या संस्था सक्षम प्राधिकारी के समक्ष छूट या शिथिलता के लिए आवेदन कर सकती है।

दो महीने तक प्रभावी रहेगा प्रतिबंध

प्रशासन के अनुसार यह आदेश तत्काल लागू हो गया है और यदि इसे पहले वापस नहीं लिया गया तो आगामी दो माह तक प्रभावी रहेगा। आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 सहित अन्य प्रासंगिक कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी।

ये क्यों हैं खतरनाक?

कैंसर का खतरा: जलने पर बेंजीन, टार और फॉर्मेल्डिहाइड जैसे कैंसरकारी तत्व निकलते हैं। फेफड़ों को नुकसान : लगातार उपयोग से क्रोनिक ब्रोंकाइटिस, अस्थमा और अन्य श्वसन रोगों का खतरा बढ़ता है। हानिकारक रसायन : कई रोलिंग पेपर को सफेद करने के लिए क्लोरीन ब्लीच का इस्तेमाल किया जाता है, जबकि चिपकाने वाले गोंद में मौजूद रसायन जलने पर विषैले धुएं में बदल जाते हैं।

नशे की लत:

इन उत्पादों का उपयोग अक्सर मादक पदार्थों के सेवन में किया जाता है, जिससे निकोटीन और अन्य नशीले पदार्थों की लत लगने की आशंका बढ़ जाती है। जिससे स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा पैदा होता है।

निरीक्षण : कोचिंग क्षेत्र में सुरक्षा मानकों की खुली पोल

तलघर में संचालित पुस्तकालय बंद फायर सेफ्टी इंतजाम मिले अधूरे

■ हॉस्टलों और कोचिंग संस्थानों को नोटिस

भोपाल (नगर संवाददाता)

राजधानी के सबसे बड़े कोचिंग हब एमपी नगर में प्रशासनिक जांच के दौरान सुरक्षा व्यवस्थाओं की पोल खुल गई। कोचिंग संस्थानों, लाइब्रेरी और हॉस्टलों के निरीक्षण में कहीं फायर सेफ्टी उपकरण बंद मिले तो कहीं एक्सपायर अग्निशमन सिलेंडर पाए गए। कई स्थानों पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी सामने आने के बाद प्रशासन ने कार्रवाई शुरू कर दी है।लखनऊ कोचिंग हादसे के बाद चलाए जा रहे विशेष निरीक्षण अभियान के तहत गुरुवार को एसडीएम एल.के. खरे, नगर निगम और फायर विभाग की संयुक्त टीम ने एमपी नगर क्षेत्र का निरीक्षण किया। जांच के दौरान विजन आईएएस अकादमी की बेसमेंट में संचालित लाइब्रेरी में गंभीर सुरक्षा खामियां मिलीं। यहां करीब 125 विद्यार्थियों के बैठने की व्यवस्था थी, लेकिन आपातकालीन स्थिति से निपटने के पर्याप्त इंतजाम नहीं थे। इसके बाद लाइब्रेरी को सील कर दिया गया।

निरीक्षण में नित मिंटो क्लासेस में फायर सेफ्टी उपकरण बंद पाए गए। वहीं औरस कोचिंग क्लासेस में भी सुरक्षा मानकों से जुड़ी कमियां सामने आईं। संजीवनी गर्ल्स हॉस्टल में फायर सेफ्टी किट काम नहीं कर रही थीं, जबकि कई अग्निशमन सिलेंडरों की वैधता समाप्त हो चुकी थी। हॉस्टल परिसर में साफ-सफाई की स्थिति भी संतोषजनक नहीं मिली।अधिकारियों ने संबंधित संस्थानों को तत्काल कमियां दूर करने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन का कहना है कि विद्यार्थियों की सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

इनका कहना है

'हमने आज कई स्थानों पर निरीक्षण किया, जिनमें पुस्तकालय, हॉस्टल और कोचिंग संस्थान शामिल थे। अनियमितताएं मिलने पर कार्रवाई की गई है। विद्यार्थियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। जिन संस्थानों में सुरक्षा मानकों की अनदेखी पाई जाएगी, उनके खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। '

– एल.के. खरे, एसडीएम, एमपी नगर

चिकित्सा राहत अमेरिका से प्रशिक्षण लेकर लौटे डॉक्टर, प्रदेश के मरीजों की दिल्ली, मुंबई, चेन्नई जैसे शहरों पर घटेगी निर्भरता

एम्स में जल्द शुरू हो सकती है लंग ट्रांसप्लांट की सुविधा

भोपाल (नगर संवाददाता)

फेफड़ों की गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों के लिए राहत भरी खबर है। एम्स भोपाल में जल्द ही लंग ट्रांसप्लांट (फेफड़ा प्रत्यारोपण) सेवाओं का रास्ता और आसान हो सकता है। संस्थान के कार्डियो थोरेसिक एवं वैस्कुलर सर्जरी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ.विक्रम वट्टी अमेरिका के प्रतिष्ठित वेंडरबिल्ट यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर से विशेष प्रशिक्षण लेकर लौटे हैं।

यह प्रशिक्षण ऐसे समय में पूरा हुआ है, जब एम्स भोपाल को पहले ही फेफड़ा प्रत्यारोपण सेवाएं शुरू करने की अनुमति मिल चुकी है।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस प्रशिक्षण से मिली तकनीकी और व्यावहारिक जानकारी एम्स भोपाल में लंग ट्रांसप्लांट कार्यक्रम शुरू करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी।

इससे प्रदेश के मरीजों को इलाज के लिए दिल्ली, मुंबई, चेन्नई या हैदराबाद जैसे बड़े केंद्रों पर निर्भरता कम करनी पड़ सकती है।

दुनिया के अग्रणी ट्रांसप्लांट सेंटर में लिया प्रशिक्षण डॉ. विक्रम वट्टी ने अमेरिका के वेंडरबिल्ट यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर में प्रशिक्षण प्राप्त किया।

यह संस्थान अमेरिका के प्रमुख फेफड़ा प्रत्यारोपण केंद्रों में शामिल है, जहां हर वर्ष बड़ी संख्या में लंग ट्रांसप्लांट किए जाते हैं। प्रशिक्षण विश्व प्रसिद्ध थोरेसिक सर्जन और वेंडरबिल्ट लंग ट्रांसप्लांट प्रोग्राम के सर्जिकल डायरेक्टर डॉ. कोनराड होएट्सेनेकर के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

प्रशिक्षण के दौरान डॉ. वट्टी ने फेफड़ा प्रत्यारोपण कार्यक्रम के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं का गहन अध्ययन किया। विशेषज्ञों के अनुसार लंग ट्रांसप्लांट चिकित्सा विज्ञान की सबसे जटिल प्रक्रियाओं में से एक माना जाता है, जिसके लिए उच्च प्रशिक्षित टीम, अत्याधुनिक तकनीक और समन्वित चिकित्सा व्यवस्था की आवश्यकता होती है।

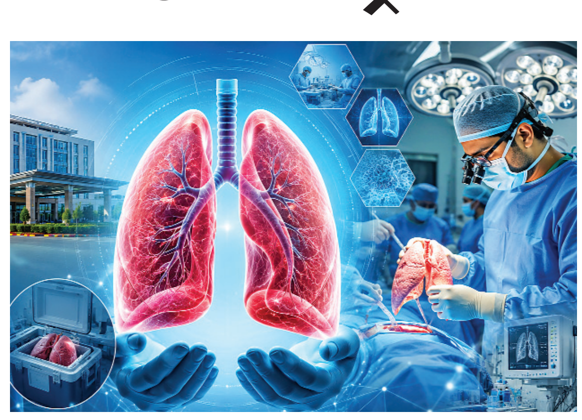

गंभीर मरीजों को मिलेगा बड़ा फायदा

एम्स भोपाल में यह सुविधा शुरू होने से फेफड़ों की अंतिम अवस्था की बीमारियों से पीड़ित मरीजों को बड़ा लाभ मिलेगा। अभी ऐसे मरीजों को इलाज के लिए देश के चुनिंदा ट्रांसप्लांट केंद्रों का रुख करना पड़ता है, जिससे समय और खर्च दोनों बढ़ जाते हैं। एम्स प्रबंधन का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर के इस प्रशिक्षण से संस्थान में भविष्य की ट्रांसप्लांट सेवाओं को विकसित करने और मरीजों को उन्नत उपचार उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

एम्स की क्षमताओं का भी होगा विस्तार

एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रो. (डॉ.) माधवानंद कर ने इस उपलब्धि को संस्थान के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण से प्राप्त विशेषज्ञता न केवल लंग ट्रांसप्लांट सेवाओं को मजबूत करेगी, बल्कि अन्य विशेषीकृत चिकित्सा सेवाओं और नई चिकित्सीय तकनीकों को अपनाने में भी मददगार होगी।

प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगी नई दिशा

विशेषज्ञों का कहना है कि यदि एम्स भोपाल में लंग ट्रांसप्लांट सेवाएं नियमित रूप से शुरू होती हैं तो यह मध्यप्रदेश के स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि होगी। इससे गंभीर फेफड़ा रोगों से पीड़ित मरीजों को अपने राज्य में ही उच्च स्तरीय उपचार उपलब्ध हो सकेगा।

महिला ने घर में फांसी लगाकर की खुदकुशी

बच्चे दूसरे कमरे में खेलते रहे, ड्यूटी से आए पति ने फंदे पर झूलते देखा, पुलिस जांच में जुटी

भोपाल (नगर संवाददाता)

पिपलानी इलाके के भेल नगर में बुधवार शाम एक महिला ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। कनिका भूरा पति संजय कुमार (35), मूलरूप से हरियाणा की रहने वाली थी। करीब 15 साल पहले उनकी संजय से शादी हुई थी।

वह गृहणी थी और उनके दो बेटे है। पति एक ट्रांसपोर्ट पर नौकरी करते है। बुधवार शाम करीब 6 बजे के आसपास महिला ने अपने बेडरुम में फांसी लगा ली। इस दौरान दोनों बच्चें दूसरे कमरे में खेल रहे थे। पति रात 8 बजे जब ड्यूटी से लौटा तो बच्चों ने बताया कि मम्मी कमरें में है और वह दरवाजा नहीं खोल रही। पति ने दरवाज खटखटाया तो अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई, दरवाजा तोड़कर देखा तो कनिका फंदे पर लटकी हुई थी।

पति फंदे से उतारकर तुरंत अस्पताल लेकर पहुंच, वहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। घटना स्थल से काई सुसाइड नोट भी नहीं मिला है। पुलिस ने शव को पीएम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। फिलहाल पुलिस कारण जानने के प्रयास में जुटी है।

स्वामी, मुद्रण, प्रकाशक एवं संपादक **आशीष दुबे** द्वारा सांई प्रिंटर्स, म. नं. 91, शाप नं. 3, जिन्सी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित एवं टी–2, बालाजी टावर, मधुवन बिहार कालोनी मिसरोद भोपाल से प्रकाशित। समस्त विवादों का न्यायालय भोपाल रहेगा।